epaper.dehatsandesh.com

3 विशाल महिला उद्यमिता मेला आयोजित

5 मेलबर्न के बाद सिडनी में भी छाप छोड़ने के तैयार जैकब बेथेल

8 कृषि क्षेत्र में भारत की कामयाबी का नया मुकाम: साल 2025 का सफर

मौसम जम्मू
न्यूनतम 8 अधिकतम 18

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-321 | जम्मू तवी, बुधवार 31 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

हमें एकजुट रहना चाहिए, अपनी साझा विरासत और साझा मूल्यों को संरक्षित रखना चाहिए : उपराज्यपाल

जम्मू, 30 दिसंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को जम्मू के राम विहार स्थित जेडीए पार्क में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ध्वज बिंदु का उद्घाटन करते हुए तिरंगा फहराया। यह उद्घाटन 1943 में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा भारतीय धरती पर तिरंगा फहराए जाने की 82वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया गया। 30 दिसंबर, 1943 को नेताजी ने पोर्ट ब्लेयर को ब्रिटिश शासन से मुक्त घोषित किया और सभी देशवासियों को स्वतंत्रता का संकल्प दिया। आज की यह पहल स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी के गौरवशाली योगदान को याद करने के उद्देश्य से की गई है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि नेताजी द्वारा दिया गया 'जय हिंद' का नारा राष्ट्रीय शौर्य का प्रतीक बना हुआ है जिसने कभी आज़ाद हिंद फौज को एकजुट किया था और आज भी 14 करोड़ भारतीयों को प्रेरित करता है। उपराज्यपाल ने कहा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की देशभक्ति अतुलनीय थी। उनके असाधारण शौर्य ने भारत को एक महत्वपूर्ण मंत्र दिया, भविष्य का निर्माण केवल एकता की नींव पर ही हो सकता है। उनका मानना था कि विभाजन से बंटा हुआ समाज कभी भी स्थायी भविष्य का निर्माण नहीं कर सकता। स्वराज के लिए नेताजी का समर्थन, युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रयास, उनकी आर्थिक नीति और औद्योगीकरण तथा लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देने पर जोर ने आज के आत्मनिर्भर भारत की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।卐 उपराज्यपाल ने नेताजी की विरासत को इतिहास में उचित स्थान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू भारत की राष्ट्रीय एकता और अटूट सांस्कृतिक धारा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जम्मू के लोगों के अदम्य साहस ने कई पीढ़ियों से जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण की लौ को प्रज्वलित रखा है। उन्होंने कहा, 卐हमारी एकता ही हमारी शक्ति है और सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। हमें एकजुट रहना चाहिए और अपनी साझा विरासत और साझा मूल्यों को संरक्षित रखना चाहिए 卐 उपराज्यपाल ने नेताजी की विरासत को सम्मानित करने के लिए जम्मू नगर निगम, जम्मू विकास प्राधिकरण, आवास एवं शहरी विकास विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रत्येक वर्ष 30 दिसंबर को नियमित स्मृति कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन इतिहास को दर्शाने वाली फोटो गैलरी का दौरा किया। नेताजी के नेतृत्व और भारत की स्वतंत्रता में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाने वाली एक वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। विधानसभा सदस्य शाम लाल शर्मा और अरविंद गुप्ता, आवास एवं शहरी विकास विभाग की आयुक्त सचिव मनदीप कौर, संभागीय आयुक्त जम्मू रमेश कुमार, सूचना एवं शहरी विकास प्राधिकरण जम्मू जोन के भीम सेन तुती, डीआईजी जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज के शिव कुमार शर्मा, नगर आयुक्त जम्मू डॉ. देवांश यादव, उपायुक्त जम्मू डॉ. राकेश मिन्हास, जम्मू विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रूपेश कुमार और नागरिक एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

भारत ने पकड़ी सुधारों की तेज रफ्तार, 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर सवार हुआ देश : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 30 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2025 को सुधारों का वर्ष बताते हुए कहा है कि भारत ने विकास और समृद्धि की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाते हुए रिफॉर्म एक्सप्रेस में सवार होकर तेज रफ्तार पकड़ ली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 में विभिन्न क्षेत्रों में किए गए ऐतिहासिक और दूरगामी सुधारों ने देश को त्वरित विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता की मजबूत पटरी पर खड़ा कर दिया है तथा ये सुधार विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री ने मंगलवार को अपने लिंक्डइन अकाउंट पर रिफॉर्म एक्सप्रेस 2025 पर एक लेख शेयर किया, जिसमें शासन के उस शांत लेकिन लगातार काम पर बात की गई है, जिसने हफ़्ते-दर-हफ़्ते रुकावटों को धीरे-धीरे दूर किया।

यह बताते हुए कि भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस में सवार हो गया है प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा, भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस में सवार हो गया है! 2025 में कई सेक्टरों में ज़बरदस्त सुधार हुए हैं, जिन्होंने हमारी ग्रोथ यात्रा को गति दी है। ये विकसित भारत बनाने के हमारे प्रयासों को भी बढ़ाएंगे। लिंक्डइन पर कुछ विचार शेयर किए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत वैश्विक स्तर पर आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसकी वजह देश के लोगों की नवोन्मेषी सोच, युवा शक्ति और अथक परिश्रम है। दुनिया भारत को उम्मीद और भरोसे के साथ देख रही है और यह विश्वास कर रही है कि भारत में अगली पीढ़ी के, व्यापक और बहुआयामी सुधारों के माध्यम से प्रगति की गति को अभूतपूर्व ढंग से तेज किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस रिफॉर्म एक्सप्रेस का प्रमुख इंजन भारत की जनसांख्यिकी है- हमारी युवा आबादी और लोगों का अदम्य साहस। वर्ष 2025 को एक ऐसे वर्ष के रूप में याद किया जाएगा, जब सुधारों को एक सतत राष्ट्रीय मिशन के रूप में आगे बढ़ाया गया और बीते 11 वर्षों में किए गए प्रयासों को नई ऊंचाइयों तक ले जाया गया। इस दौरान संस्थानों का आधुनिकीकरण किया गया, शासन को सरल बनाया गया और दीर्घकालिक, समावेशी विकास की मजबूत नींव रखी गई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने अधिक महत्वाकांक्षा, तेज क्रियान्वयन और गहरे परिवर्तन के साथ आगे बढ़ते हुए ऐसे सुधार किए, जिनका उद्देश्य नागरिकों को सम्मानजनक जीवन, उद्यमियों को नवाचार के लिए भरोसा और संस्थानों को स्पष्टता व विश्वास के साथ काम करने का वातावरण देना है।

उन्होंने प्रमुख सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में दो स्लैब—5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की साफ-सुथरी संरचना लागू की गई है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं, एमएसएमई, किसानों और श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर बोझ कम हुआ है। इसका उद्देश्य विवादों में कमी लाना और बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करना है, जिससे उपभोक्ता भावना और मांग में वृद्धि हुई है।

मध्य वर्ग को ऐतिहासिक राहत देते हुए सरकार ने 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय को पूरी तरह आयकर से मुक्त कर दिया है। साथ ही वर्ष 1961 के पुराने आयकर अधिनियम को हटाकर सरल और आधुनिक आयकर अधिनियम, 2025 लागू किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये कदम पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-संचालित कर प्रशासन की दिशा में बड़ा बदलाव हैं।

खबर संक्षेप

घाटी के कई इलाकों में हुआ ताजा हिमपात

श्रीनगर, 30 दिसंबर। मंगलवार दोपहर को कश्मीर घाटी के कई इलाकों में कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के कारण ताजा हिमपात हुआ। अधिकारियों ने बताया कि बांदीपोरा के गुरेज, बारामूला के गुलमर्ग और कुपवाड़ा के मच्छिल सहित उत्तरी कश्मीर के कुछ हिस्सों में आज दोपहर ताजा हिमपात हुआ। अगले 24 घंटों में भारी वर्षा की संभावना नहीं है, हालांकि कुछ स्थानों पर रुक-रुक कर बारिश या हिमपात हो सकता है।

अधिकारियों ने बताया कि मौसम में बदलाव से उत्पन्न किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने कर्मचारियों और मशीनों को तैयार रखा है। ताजा हिमपात के बावजूद घाटी में असामान्य रूप से गर्म शीतकाल जारी है। मौसम विभाग के अनुसार तापमान मौसमी औसत से तीन से चार डिग्री अधिक बना हुआ है।

मौजूदा समय में कश्मीर घाटी 'चिल्लई-कलां' नामक 40 दिनों की अत्यधिक ठंड की अवधि से गुजर रहा है। इस दौरान रात का तापमान आमतौर पर हिमांक बिंदु से तीन से आठ डिग्री नीचे चला जाता है। हालांकि वर्तमान आंकड़े सामान्य पैटर्न से भिन्न हैं।

एनआईए की विशेष न्यायाधीश की माननीय अदालत ने देश विरोधी गतिविधियों में शामिल तीन आरोपियों के खिलाफ उद्घोषणा जारी की

श्रीनगर, 30 दिसंबर। राष्ट्रविरोधी प्रचार और अलगाववादी व गलत सूचनाओं पर कड़ी कार्रवाई करते हुए श्रीनगर स्थित राष्ट्रीय सूचना एजेंसी (एनआईए) धिनियम के तहत नामित विशेष न्यायाधीश की माननीय अदालत ने काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) पुलिस स्टेशन की एफआईआर संख्या 07/2020 में दर्ज आरोपियों के खिलाफ दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 82 के तहत उद्घोषणा जारी की है।

जारी बयान के अनुसार यह मामला आईपीसी की धारा 153-ए और 505 तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 13 के तहत गंभीर अपराधों से संबंधित है। यह मामला विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं के आधार पर दर्ज किया गया है जिनसे घाटी के अंदर और बाहर अलगाववादी ताकतों के इशारे पर काम कर रहे बेईमान असामाजिक और राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा रची गई एक सुनियोजित साजिश का खुलासा हुआ है।

इसमें कहा गया है कि जांच से पता चला है कि ये तत्व समाचार पोर्टलों, पत्रकारों और फ्रीलांसरों का भेस बनाकर, वास्तव में फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर) और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का दुरुपयोग कर फर्जी, प्रेरित, अतिरंजित, अलगाववादी और संदर्भ से परे सामग्री बनाकर अपलोड करके और प्रसारित कर रहे थे। इस डिजिटल दुष्प्रचार अभियान का सुनियोजित उद्देश्य सड़क हिंसा भड़काना, सामान्य जीवन को बाधित करना, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ना और जन अशांति फैलाना था जिससे राष्ट्र-विरोधी भावनाएं भड़काई जा सकें और भारत संघ के खिलाफ असंतोष पैदा करने के उद्देश्य से अलगाववादी एजेंडा को आगे बढ़ाया जा सके। जांच के दौरान निम्नलिखित आरोपियों की संलिप्तता पुख्ता साबित हुई जिनमें मुबीन अहमद शाह पुत्र स्वर्गीय अली मोहम्मद शाह निवासी डॉक वाली कॉलोनी जवाहर नगर, जिला श्रीनगर; अजीजुल हसन अशै उर्फ टोनी अशै पुत्र नजीर अहमद अशै निवासी डॉक वाली कॉलोनी जवाहर नगर जिला श्रीनगर और रिफत वानी पुत्री गुलाम मोहम्मद वानी निवासी त्रेहगाम, जिला कुपवाड़ा शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में सुरक्षा कारणों से वीपीएन के इस्तेमाल पर लगी रोक

श्रीनगर, 30 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सुरक्षाबलों ने इस प्रतिबंध का उल्लंघन रोकने के लिए मोबाइल फोन की निगरानी बढ़ा दी है।

घाटी के कुपवाड़ा, कुलगाम और शोपियां जिले वीपीएन पर प्रतिबंध लगाने वाले नवीनतम जिले हैं, जहां उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का आदेश दिया गया है। एक ऐसे ही आदेश में कुपवाड़ा के मजिस्ट्रेट श्रीकांत बालासाहेब सुसे ने पुलिस से प्राप्त सूचनाओं का हवाला दिया है, जिसमें जिले में बड़ी संख्या में वीपीएन के बढ़ते उपयोग की जानकारी दी गई है। आदेश में कहा गया है कि वीपीएन सेवाओं का दुरुपयोग गैरकानूनी और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है, जिनमें

अशांति फैलाना, भ्रामक या भड़काऊ सामग्री का प्रसार करना और सार्वजनिक व्यवस्था, शांति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक गतिविधियों का समन्वय करना शामिल है। मजिस्ट्रेट ने किसी भी उल्लंघन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है और पुलिस को आदेश का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। शोपियां और कुलगाम के जिला मजिस्ट्रेटों ने भी इसी प्रकार के निषेधाज्ञा आदेश जारी किए हैं।

जम्मू और कश्मीर के कई अन्य जिलों में पहले ही प्रतिबंध लागू हो चुका है और पिछले महीने वीपीएन एप्लिकेशन का उपयोग करने के आरोप में 10 से अधिक लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। पिछले सप्ताह डोडा जिले में खालिद अबरार और मोहम्मद इरफान पर निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया, क्योंकि वे अपने मोबाइल फोन पर वीपीएन का उपयोग कर रहे थे। दरअसल, साइबर अपराधी पहचान की चोरी या नेटवर्क घुसपैठ जैसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को छिपाने के लिए भी वीपीएन का फायदा उठाते हैं, इसलिए वीपीएन का सावधानीपूर्वक चयन करना बेहद जरूरी है।

रेल वन ऐप पर अनारक्षित टिकट बुकिंग पर 3% की छूट योजना जनवरी 2026 से लागू

जम्मू,, 30 दिसंबर। भारतीय रेलवे ने नए साल 2026 में रेल वन मोबाइल ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने वाले यात्रियों के लिए 3 प्रतिशत छूट की घोषणा की है। यह योजना 14 जनवरी 2026 से लागू होगी और 14 जुलाई 2026 तक जारी रहेगी। रेल वन ऐप को 1 जुलाई 2025 को रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा लॉन्च किया गया था जो अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट, ट्रेन की स्थिति, खाने का ऑर्डर और शिकायत निवारण जैसी सुविधाएँ प्रदान करता है। रेलवे बोर्ड ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और अनारक्षित टिकट काउंटर पर भीड़ कम करने के उद्देश्य से ऐप में बदलाव किया है। इस योजना के तहत सभी डिजिटल पेमेंट माध्यमों से अनारक्षित टिकट बुक करने पर 3 प्रतिशत की छूट मिलेगी जिसमें R-वॉलेट शामिल नहीं है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने कहा कि रेल वन ऐप यात्रियों को आधुनिक डिजिटल अनुभव देने और डिजिटल इंडिया पहल को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यात्री इसे गूगल प्ले स्टोर या एप्पल ऐप स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।

'कश्मीर में सड़क पर 202 मौतें हुईं, 3 लाख से अधिक चालान जारी किए गए, 2025 में 11.24 करोड़ का राजस्व उत्पन्न हुआ'

श्रीनगर, 30 दिसंबर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यातायात ग्रामीण कश्मीर, रविंदर पॉल सिंह ने मंगलवार को कहा कि यातायात पुलिस 2026 में भी उसी उत्साह के साथ अपना प्रवर्तन और जागरूकता अभियान जारी रखेगी उन्होंने दोहराया कि यातायात पुलिसिंग का मुख्य उद्देश्य मानव जीवन को बचाना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए एसएसपी ट्रैफिक ग्रामीण ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस की तैनाती का उद्देश्य यातायात कानूनों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करना और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानून के प्रावधानों के अनुसार सख्ती से कार्रवाई करना है। उन्होंने कहा कि 2025 में लॉन्च किए गए मिशन को 2026 में भी उतनी ही गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। एसएसपी ने कहा कि यातायात नियमों के संबंध में जन जागरूकता में काफी सुधार हुआ है और लोग सुरक्षित सड़कों के लिए सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग अधिक शिक्षित और सहयोगी बन रहे हैं। हमें उम्मीद है कि भविष्य में भी वे सभी यातायात नियमों और विनियमों का पालन करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि विभाग स्कूलों, कॉलेजों, सूमो स्टैंडों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिज्ञा अभियान आयोजित करके जागरूकता कार्यक्रमों को

और तेज करेगा। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए हम एनसीसी कैडेटों और अन्य हितधारकों को भी शामिल करेंगे परामर्श लेंगे और जहां भी आवश्यक हो, यातायात बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा।एसएसपी रविंदर पॉल सिंह ने पिछले वर्षों के आंकड़ों की तुलना करते हुए कहा कि उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। उन्होंने कहा कि 2024 की तुलना में 279 मौतें हुईं जबकि वर्ष 2025 में मौतों में गिरावट देखी गई अब तक 202 सड़क मौतें हुईं। उन्होंने कहा कि वर्ष के दौरान तीन लाख से अधिक चालान जारी किए गए, जिससे 11.24 करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ इसके अलावा प्रवर्तन अभियान के दौरान कई वाहन जब्त किए गए।

चेक बाउंस मामले में दोषी को आठ महीने की जेल और 2.65 लाख रुपये से ज्यादा के मुआवज़े का आदेश

बडगाम, 30 दिसंबर। बीरवाह की एक स्थानीय अदालत ने चेक अनादरण मामले में बडगाम निवासी को दोषी ठहराया है और उसे आठ महीने के साधारण कारावास के साथ 2.65 लाख रुपये से अधिक का मुआवजा देने का आदेश दिया है। बीरवाह के अतिरिक्त विशेष मोबाइल मजिस्ट्रेट की अदालत ने गोंडीपोरा बीरवाह निवासी हनीफ मोहम्मद शेख द्वारा परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत दायर शिकायत पर यह फैसला सुनाया। यह मामला शेख ईंट भट्ठे से ईंटों की आपूर्ति के भुगतान हेतु 2019 में जारी किए गए चेक के अनादरण से संबंधित है। अदालती रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी मोहम्मद रफीक शेख जो कावूसा खालिसा, नरबल का निवासी है ने बकाया राशि के भुगतान हेतु 1,91,798 रुपये का चेक जारी किया था। हालांकि अपर्याप्त धनराशि के कारण जम्मू और कश्मीर बैंक ने चेक को अस्वीकृत कर दिया। विधिवत कानूनी नोटिस भेजे जाने के बावजूद आरोपी निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान करने में विफल रहा जिसके कारण शिकायतकर्ता को अदालत में कानूनी उपाय का सहारा लेना पड़ा। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत ने बैंक अधिकारियों और डाक अधिकारियों के बयानों सहित मौखिक और दस्तावेजी साक्ष्यों की जांच की। रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री का मूल्यांकन करने के बाद अदालत ने पाया कि शिकायतकर्ता ने कानूनी रूप से लागू करने योग्य ऋण और आरोपी द्वारा चेक जारी किए जाने को सफलतापूर्वक साबित कर दिया है। बचाव पक्ष का पक्ष किसी भी विश्वसनीय साक्ष्य द्वारा समर्थित न होने के कारण खारिज कर दिया गया। दोषी पाए जाने पर अदालत ने आरोपी को आठ महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई।

जम्मू बस स्टैंड पर लावारिस बैग से बम की अफवाह; कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला

जम्मू, 30 दिसंबर। मंगलवार दोपहर यहां भीड़ भरे बस स्टैंड पर एक लावारिस बैग में बम होने की अफवाह फैल गई लेकिन बाद में पता चला कि इसमें कपड़े थे और जाहिर तौर पर एक यात्री ने इसे पीछे छोड़ दिया था। एक अधिकारी ने बताया कि कंक्रीट के खंभों में से एक के पास एक लावारिस बैग पड़े होने की सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस की एक टीम ने बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) के साथ बस स्टैंड की घेराबंदी कर दी। अधिकारी ने कहा कि बीडीएस टीम ने बैग का निरीक्षण किया और कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया बाद में बैग को स्थानीय पुलिस स्टेशन ले जाया गया और उसके मालिक की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

पुलिस के मौके से चले जाने के बाद सामान्य गतिविधियां फिर से शुरू हो गईं।

विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने एलजी लद्दाख से मुलाकात की

लेह, 26 दिसंबर। विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने आज LG सचिवालय में लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल, श्री कविंदर गुप्ता से मुलाकात की और युवा कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, रोजगार और पूर्व सैनिकों के कल्याण से संबंधित अपनी चिंताओं को साझा किया।

लेह जिले के STL डॉक्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने UT लद्दाख आरक्षण कोटे के तहत NEET PG (मेडिकल) राज्य काउंसलिंग में कथित विसंगति के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने माननीय उपराज्यपाल से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आरक्षण नीति को योग्यता के अनुसार सख्ती से लागू किया जाए और आगामी तीसरे दौर की काउंसलिंग में STL उम्मीदवारों पर निष्पक्ष रूप से विचार किया जाए।

एक अन्य बैठक में, साइकिल चालक लीकजेस आंगमो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने माननीय उपराज्यपाल से मुलाकात की और क्षेत्र से अधिक पेशेवर साइकिल चालकों को तैयार करने के लिए लद्दाख में एक साइकिलिंग प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने का अपना प्रस्ताव साझा किया।

इसी तरह, सहायक अभियंता के राजपत्रित पद के इच्छुक सिविल इंजीनियरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने श्री कविंदर से मुलाकात की और सेवा संबंधी मामलों में हस्तक्षेप का अनुरोध किया।

1999 के कारगिल युद्ध के दौरान घायल हुए पूर्व सैनिक दोरजे त्सेरिंग ने भी उपराज्यपाल से मुलाकात की और युद्ध हताहत लाभ देने का अनुरोध किया।

माननीय उपराज्यपाल ने दोहराया कि अ प्रशासन युवाओं, खिलाड़ियों, पेशेवरों और पूर्व सैनिकों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि नियमों और नीतियों के ढांचे के भीतर सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे ताकि वास्तविक शिकायतों का समाधान किया जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकारी पहलों का लाभ लोगों तक निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पहुंचे।

पुंछ, किश्तवाड़ जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों और पहाड़ी भीतरी इलाकों में सुरक्षा बलो ने चलाया तलाशी अभियान

सीमा पार से घुसपैठ की आशंका को देखते हुए पुलिस ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर ग्राम रक्षा गार्ड और सीमा पुलिस को सक्रिय कर दिया है

जम्मू, 30 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों और पहाड़ी भीतरी इलाकों में सुरक्षाबलों ने मंगलवार को घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। डोडा-किश्तवाड वन क्षेत्रों में सक्रिय दो आतंकवादी समूहों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों ने आतंकवादी गतिविधियों की आशंका जताते हुए केशवान-चत्रू घाटी में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकवादियों का पता लगाने के लिए सैनिकों ने ड्रोन और अन्य हवाई निगरानी उपकरणों का इस्तेमाल किया। रिपोर्टों के अनुसार जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी समूह जिनमें से प्रत्येक में दो से तीन आतंकवादी हैं। इस क्षेत्र में मौजूद होने की आशंका है, जहां पहले भी मुठभेड़ें हो चुकी हैं। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध आतंकवादी गतिविधियों के मद्देनजर सेना की रोमियो फोर्स ने पुंछ में भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित खनेतर टॉप और आसपास के क्षेत्रों में भी तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि सैनिकों को हवाई निगरानी सहायता और खोजी कुत्तों से लैस किया गया था। इसके अतिरिक्त नव वर्ष से पहले उच्च सतर्कता के तहत सुरक्षाबलों ने कठुआ, सांबा, जम्मू और उधमपुर जिलों में पठानकोट-जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की चेकिंग तेज कर दी है।

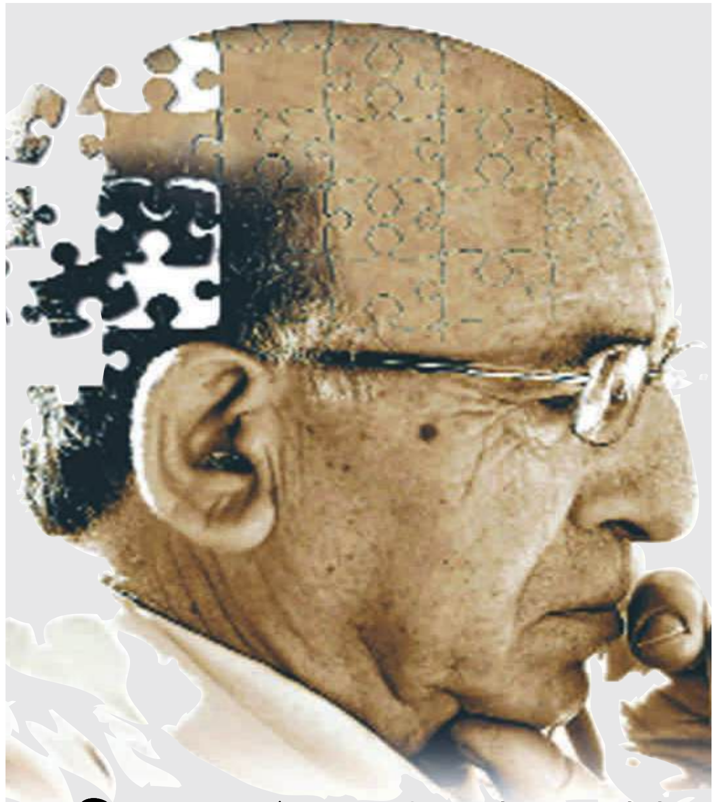

मस्तिष्क में प्रोटीन के गुच्छे बनने से घटती है याददाश्त

दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोग अल्जाइमर और अन्य तरह की डिमेंशिया से प्रभावित हैं लेकिन दुनिया में इसका प्रभावी इलाज के संबंध में प्रगति धीमी है। वैज्ञानिकों ने बताया कि मरीज के मस्तिष्क में अल्जाइमर से संबंधित प्रोटीन गुच्छे के रूप में जमा होने लगते हैं, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं और स्मृति लोप होने संबंधी लक्षण दिखने लगते हैं।

साइंस एडवांसेस में प्रकाशित जॉर्ज मिसल और उनके सहकर्मियों के शोध में अल्जाइमर रोगियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। इस तरह से अनुसंधानकर्ता मस्तिष्क में अल्जाइमर बीमारी के बढ़ने को रोकने की प्रक्रिया के संबंध में बेहतर समझ बनाने में सक्षम हुए।

गुच्छों के दोगुना होने में पांच साल का समय लगा

अध्ययन से पता चला कि गुच्छों के दोगुना होने में करीब पांच साल का समय लगा। अध्ययन में बताया गया कि कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए देशों के बीच यात्रा रोकना बेहद प्रभावी कदम नहीं हो सकता है जब मूल देश में पहले से ही उल्लेखनीय रूप से संक्रमित लोगों की मौजूदगी पहले से ही हो। इसी तरह से मस्तिष्क क्षेत्रों के बीच गुच्छों के प्रसार को रोकना अल्जाइमर के एक बार शुरू हो जाने के बाद इसे धीमा करने में नाकाफी हो सकता है।

धीरे-धीरे बढ़ती जाती है गुच्छों की संख्या

अल्जाइमर की बीमारी और तंत्रिका तंत्र से संबंधित अन्य बीमारियों में प्रोटीन, वे सूक्ष्म गुच्छों में एकसाथ चिपकने लगते हैं। मरीज के मस्तिष्क में ये गुच्छे के रूप में जमा होने लगते हैं, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं और स्मृति लोप होने संबंधी लक्षण दिखने लगते हैं। जैसे-जैसे इन गुच्छों की संख्या बढ़ती जाती है, बीमारी बढ़ती जाती है और हल्के लक्षण सामने आने के वर्षों बाद मौत तक हो जाती है। अब तक विस्तार से वैज्ञानिकों के हाथ यह जानकारी नहीं लग पाई है कि आखिर ये गुच्छे बन कैसे जाते हैं और इन्हें कैसे नियंत्रित किया जा सकता है।

सुपरफूड है अंडा
कई बीमारियों से बचाता है

अंडा एक ऐसा सुपरफूड है, जिसमें प्रोटीन, कैल्शियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड विटामिन ए और बी की भरपूर मात्रा होती है। इसका रोजाना सेवन शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। वहीं हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार रोजाना 1 अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कम होता है।

टाइप-2 डायबिटीज का खतरा कम करता है अंडा

इस स्टडी की रिपोर्ट के सामने आने के बाद कई दूसरे वैज्ञानिक इसका विरोध कर रहे हैं क्योंकि डायबिटीज में अंडा खाने को लेकर शोधकर्ताओं की राय अलग-अलग है। जहां कुछ वैज्ञानिक इसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं वहीं अन्य शोधकर्ताओं के हिसाब से डायबिटीज के मरीजों को अंडे का सेवन नहीं करना चाहिए।

हफ्ते में कितने अंडे खाना है सुरक्षित?

इस नई स्टडी के अनुसार, हफ्ते में 3 अंडे खाना बिल्कुल सुरक्षित है। अगर आपको डायबिटीज है तो अंडे को उबालकर ही खाएं।

फायदेमंद है अंडे का सेवन

जो पुरुष रोजाना अंडे का सेवन करते हैं उनके खून में लिपिड की मात्रा थोड़ी ही पाई जाती है, जिससे इस बीमारी का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। अंडा सेहत को कई तरीके से फायदा पहुंचाता है। फिलहाल अंडा खाने या ना खाना अभी तक शोधकर्ताओं के लिए पहेली ही बना हुआ है। हालांकि इस नई स्टडी के नतीजों में दावा किया है कि रोजाना एक अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कुछ हद तक कम हो जाता है।

कैसे और कब खाना चाहिए अंडा

रोजाना 2 उबले हुए अंडे खाने से शरीर कई बीमारियों से बचाया जा सकता है। अंडा को ब्रेकफास्ट के रूप में खाने से शरीर को सबसे ज्यादा फायदा मिलता है। जिम जाने वाले लोगों को कच्चा अंडा दूध में मिलाकर खाना चाहिए। इसके अलावा कच्चे अंडे की जर्दी (एग योक) का सेवन भी आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाता है।

व्हाइट या ब्राउन कौन है बेस्ट?

व्हाइट और ब्राउन दोनों ही अंडों पर काफी बार शोध किया जा चुका है, जिसमें इन दोनों में कोई खास अंतर पता नहीं चला। दोनों के फायदे, क्वॉलिटी, आकार सभी कुछ एक जैसा है। यहां तक दोनों में पोषण भी एक जैसा ही होता है लेकिन ब्राउन अंडे में व्हाइट अंडे से थोड़ा ज्यादा ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है।

रोजाना अंडा खाने के अन्य फायदे

मजबूत इम्यून सिस्टम
रोजाना ब्रेकफास्ट में एक अंडा खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत है। इससे आप सर्दी-जुकाम जैसे वायरल इंफेक्शन से बचे रहते हैं।

वजन कंट्रोल
अगर आप वजन कंट्रोल करना चाहते हैं तो रोजाना इसका सेवन जरूर करें। इससे दिनभर पेट भरा रहता है, जिससे आप ओवरइटिंग से बच जाते हैं और आपका वजन कंट्रोल में रहता है।

आंखों व दिमाग के लिए फायदेमंद
इसमें कॉलिन और कैरोटिनायड्स नाम का पोषक तत्व होता है, जो आंखे व दिमाग के लिए बेहद फायदेमंद है।

स्वस्थ दिल
इसका सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है और आप हार्ट अट्रैक जैसी समस्याओं से बचे रहते हैं।

ब्रैस्ट कैंसर से बचाव
अंडे में पाया जाने वाला फॉलिक एसिड और विटामिन बी12 ब्रैस्ट कैंसर से बचाव करता है। अगर आप भी ब्रैस्ट कैंसर से बचना चाहते हैं तो रोज इसका सेवन करें।

सर्दियों में होंठ और हाथों की यूं करें देखभाल

सर्दियों में होंठ व हाथ रूखे हो जाते हैं। ऐसे में इन्हें खास देखभाल की जरूरत होती है। होंठ और हाथों की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं :

हाथों के लिए सुझाव

- हाथ धुलने के बाद मॉइश्चराइजर बरकरार रखने के लिए हमेशा अच्छा हैंड क्रीम लगाएं।
- रात में हाथों को अच्छे नरीशिंग क्रीम से मसाज करें और नाखूनों व नाखूनों के आसपास के हिस्से में भी मसाज करना नहीं भूलें।
- नहाने से पहले त्वचा पर तेल से मसाज करें। इससे आपके हाथ मुलायम बनेंगे।
- नहाने के तुरंत बाद लोशन या क्रीम लगाएं। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी।
- सर्दियों में शावर जेल या ग्लिसरीन युक्त साबुन का इस्तेमाल करें।
- एक बड़े चम्मच एवोकैडो ऑयल में एक बड़ा चम्मच शहद और एक बड़ा चम्मच दही मिला लें और इससे हाथों की मसाज करें। हाथों का रूखापन दूर करने के लिए 10 मिनट बाद धो लें।

होंठ की देखभाल

- होंठों को रूखेपन व फटने से बचाने के लिए आर्गन प्योर कोल्ड प्रेस्ड ऑयल की कुछ बूंदों में एक बड़ा चम्मच ब्राउन शुगर मिलाकर लगाएं।
- फटे होंठों के लिए शहद मॉइश्चराइजर का काम करता है। शहद को अपने होंठों पर लगा लें या फिर रात में सोने से पहले शहद और ग्लिसरीन के मिश्रण को लगा लें।
- आप चाहे तो ताजे दूध की क्रीम भी होंठों पर लगा सकते हैं और इसे 10 मिनट तक लगा रहने दें। फिर इसे गुनगुने पानी में भीगी रूई के फाहे से हल्के हाथों से साफ कर लें। कोमल व गुलाबी रंगत के होंठों के लिए ऐसा रोजाना करें।
- रात में सोने जाने से पहले होंठों को गुनगुने पानी से धोकर मुलायम कपड़े से पोंछे ले और फिर तुरंत लिप बाम लगा लें।
- होंठों की नमी बरकरार रखने के लिए पानी का सेवन खूब करें, इससे आपके होंठों की कोमलता बरकरार रखने में मदद मिलेगी।
- सर्दियों में होंठों को फटने से बचाने के लिए ऑर्गेनिक घी, बादाम तेल और नारियल तेल युक्त लिप बाम का इस्तेमाल करें।
- सर्दियों में लिपस्टिक आपके होंठों को सुरक्षा प्रदान करता है। पिंक या प्लम कलर के लिपस्टिक लगा सकती हैं, जो आपके होंठों की न सिर्फ खूबसरती बढ़ाएगा, बल्कि इसे कोमल भी रखेगा। ऑर्गेनिक घी, शहद, बादाम तेल, रोज ऑयल जैसे इंग्रेडिएंट्स सर्दियों में आपके होंठों को कोमल रखेंगे।
- रोजाना हैंडक्रीम लगाने से हाथ रूखे नहीं होंगे। कोकम बटर, ऑर्गेनिक हनी, एलो, हल्दी, सेसम ऑयल, एप्रिकोट ऑयल जैसे इंग्रेडिएट्स अल्ट्रा-मॉइश्चराइजिंग होते हैं, जो त्वचा को मुलायम रखते हैं।
- गर्मियों की तरह ही सर्दियों में भी त्वचा को हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाना जरूरी है। तेज धूप में त्वचा को टैनिंग से बचाने के लिए धूप में निकलने से पहले सन प्रोटेक्शन क्रीम का इस्तेमाल करें।

रोजाना लौंग चबाने से ये प्रॉब्लम्स हो जाएंगी दूर

मसाले खाने को स्वादिष्ट बनाने के ही नहीं बल्कि सेहत से जुड़ीं कई परेशानियों को भी ठीक करते हैं। जैसे, लौंग का इस्तेमाल खाने के साथ चाय को स्वादिष्ट बनाने में भी किया जाता है। लौंग के कई फायदे हैं।

दांत दर्द में राहत

लौंग खाने से दांत का दर्द ठीक होता है। लौंग में दर्द को शांत करने वाले गुण पाए जाते हैं। ऐसे में अगर आपके दांत में दर्द हो तो लौंग को अपने दांत के बीच में दबाकर रखें।

इंफेक्शन को दूर करता है

लौंग में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं। जिसका मतलब है कि यह बैक्टीरिया या अन्य सूक्ष्मजीवों से होने वाले संक्रमण से बचाव प्रदान कर सकता है। स्किन पर कहीं इंफेक्शन होने पर गुस जगह पर लौंग का पेस्ट लगाने की सलाह दी जाती है।

एसिडिटी में राहत

सुबह खाली पेट लौंग के सेवन करने से पाचन संबंधी समस्या दूर हो जाती है। लौंग पाचन एंजाइम के स्राव को बढ़ाते हैं, जो डाइजेशन प्रॉब्लम्स को रोकने या ठीक करने में कारगर है।

पिंपल्स को ठीक करने में कारगर

आपको अगर ऑयली स्किन की वजह से चेहरे पर पिंपल्स हो जाते हैं, तो आपको लौंग का पेस्ट एलोवेरा जेल में डालकर पिंपल्स पे लगाना चाहिए। इससे पिंपल्स ठीक हो जाते हैं।

मुंह की बदबू को दूर करें

आपके मुंह से अगर सुबह उठने पर बदबू आती है या मसूड़ों में दर्द रहता है, तो आप रोजाना एक लौंग को अपने मुंह में दबा लें, इससे धीरे-धीरे मुंह से बदबू आनी बन्द हो जाएगी।

पेट का अल्सर

पेट के अल्सर के इलाज में लौंग काफी मदद कर सकता है। यह अल्सर आमतौर पर पेट की सेफ्टी लेयर के कम हो जाने के कारण हो जाते हैं, जिसमें लौंग खाने से फायदा होता है।

छोटी सी राई में कितनी खूबियां

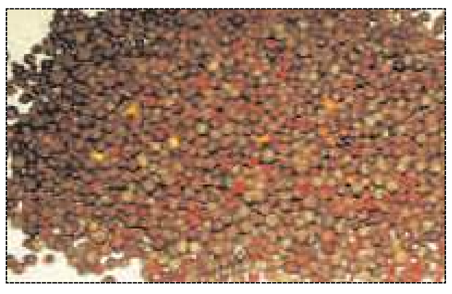

- इसकी गिनती सरसों की जाति में होती है। इसका दाना छोटा व काला होता है। राई का प्रमुख गुण पाचक होता है।
- पेट के कीड़े इसका पानी पीने से मर जाते है।
- हैजे में राई को पीस कर पेट पर लेप करने से उदरशूल व मरोड़ में आराम मिलता है।
- इसकी पुल्टिस बना कर दर्द वाली जगह पर सेंक किया जाए तो तुरंत राहत मिलती है। राई के लेप से सूजन कम होती है।
- गर्म पानी में राई डालने से राई फूल जाती है। और उसके गुण पानी में पहुंच जाते हैं। इस पानी को गुनगुना सहने योग्य कर किसी टब में कमर तक भर कर बैठा जाए तो सभी प्रकार के यौन रोग प्रदर, प्रमेह आदि में बेहतर सुधार आता है।
- इसे पीस कर शहद में मिलाकर सूंघने से जुकाम में आराम मिलता है।
- मिर्गी-मूर्च्छा में मात्र राई पीस कर सूंघाने से फायदा होता है।
- राई के तेल में बारीक नमक मिलाकर मंजन करने से पायरिया रोग का नाश होता है।
- राई के अधिक प्रयोग से उल्टी हो सकती है अत: राई का सीमित मात्रा में प्रयोग करना चाहिए।

सर्दियों में इम्यूनिटी बढ़ाएंगे गुड़ मेथी के लड्डू

सर्दियों में गुड़ मेथी के लड्डू खाने का मजा ही कुछ और है। गुड़ मेथी के लड्डू ना सिर्फ स्वाद में गजब होते हैं बल्कि इससे इम्यूनिटी बढ़ने के साथ सर्दी भी कम लगती है। जानते हैं, कैसे बनाएं गुड़ मेथी के लड्डू

लड्डू बनाने के लिए सामग्री

100 ग्राम मेथी दाना, 1/2 लीटर दूध
300 ग्राम गेहूं का आटा, 250 ग्राम घी
100 ग्राम गोंद, 30-35 बादाम
300 ग्राम गुड़ या चीनी
8-10 काली मिर्च, 2 छोटी चम्मच जीरा पाउडर, 2 चम्मच सोंठ पाउडर, 10 छोटी इलाइची, 4 टुकड़े दालचीनी, 2 जायफल

लड्डू बनाने की विधि

- सबसे पहले मेथी दाना को साफ कर लें। अब मेथी को मिक्सर से थोड़ी दरदरी पीस लें।
- एक पैन में दूध उबालने के लिए रख दें।
- अब पिसी हुई मेथी को 8-10 घंटे के लिए दूध में भिगो दें।
- बादाम को काट लें और काली मिर्च, दाल चीनी, इलाइची और जायफल को कूट लें।
- अब एक कड़ाही में आधा कप घी डालकर, भीगी हुई मेथी को भूनें. आपको मध्यम आंच पर इसे हल्का ब्राउन होने तक भूनना है।
- अब बचे हुए घी में गोंद को तल लें और किसी प्लेट में निकाल लें।
- इसी कड़ाही में बाकी घी डालकर आटे को हल्का ब्राउन होने तक भून लें।
- इसके बाद कड़ाही में 1चम्मच घी डाल कर, गुड़ को पिघला लें और चाशनी बना लें।
- गुड़ की चाशनी में, जीरा पाउडर, सोंठ पाउडर, कटे हुए बादाम, काली मिर्च, दालचीनी, जायफल और इलाइची डालकर अच्छी तरह मिला लें।
- अब इसमें भुनी हुई मेथी, भुना आटा, भुना गोंद डासकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- इस मिश्रण से अपनी पसंद के आकार के लड्डू बनाकर रख लें. लड्डू को थोड़ी देर के लिए हवा में खुला रहने दें।
- बाद में किसी एअर टाइट डब्बे में सभी लड्डू को भरकर रख लें।आप इन्हें दूध से रोज सुबह शाम खाएं।
- आप चाहें तो लड्डू में गुड़ की जगह पर चीनी या बूरा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अपने पसंद के हिसाब से लड्डू में कोई मेवा कम या ज्यादा भी कर सकते हैं।
- मेथी के लड्डू खाने से आपको जोड़ों के दर्द, कमर दर्द और सर्दी में आराम मिलेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

नटरंग ने 2025 में रचा इतिहास, एक वर्ष में 152 रंगमंचीय प्रस्तुतियां

जम्मू, 30 दिसंबर (हि.स.)। उत्तर भारत की अग्रणी रंगमंच संस्था नटरंग ने वर्ष 2025 में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए एक ही वर्ष में 152 सफल थिएटर शो और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर पिछले 15 वर्षों के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। यह उपलब्धि भारतीय रंगमंच के इतिहास में एक नया मानक स्थापित करती है और कला, संस्कृति व सामाजिक सरोकारों के प्रति नटरंग की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नटरंग की प्रतिष्ठित संडे थिएटर श्रृंखला ने अपने 21 वर्ष पूरे किए और क्षेत्र में बार-बार उत्पन्न परिस्थितियों के बावजूद वर्ष भर में 52 साप्ताहिक प्रस्तुतियां सफलतापूर्वक मंचित कीं। इस दौरान नीरज कांत ने निर्देशक के रूप में देश में सर्वाधिक निर्देशनों का कीर्तिमान भी अपने नाम किया।

नटरंग के संस्थापक एवं निर्देशक पद्मश्री बलवंत ठाकुर ने इंग्लैंड में रॉयल शेक्सपीयर थिएटर, ग्लोब थिएटर लंदन, शेक्सपीयर बर्थप्लेस ट्रस्ट सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों में आठ प्रस्तुतियों और संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय रंगमंच का प्रतिनिधित्व किया। नटरंग के कलाकार सुप्रिया गोरखा, आद्विक शर्मा और विहान शर्मा ने वर्ल्ड फोरम फॉर आर्ट एंड कल्चर द्वारा दिए गए छह में से तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया। वहीं, कननप्रीत कौर, आदेश धर और सुप्रिया गोरखा को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की राष्ट्रीय छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।

नटरंग द्वारा संस्कृति विभाग के लिए तैयार की गई पहली झांकी फ़जम्मू–कश्मीर की सांस्कृतिक विविधताफ़ ने गणतंत्र दिवस परेड 2025 में प्रथम पुरस्कार जीतकर संस्था की रचनात्मक क्षमता को नई पहचान दी। 'हम हैं प्रतिभावान' और 'सैंया भए कोतवाल' जैसी प्रस्तुतियों को जबरदस्त सराहना मिली, जबकि 'बावा जितो' नाटक ने झिरी मेले में करीब 50 हजार दर्शकों को आकर्षित किया। इसके अलावा आईआईएम जम्मू के सहयोग से आयोजित 'रंग तरंग' युवा थिएटर एवं नृत्य महोत्सव में 20 लघु नाटक और पांच नृत्य प्रस्तुतियां मंचित की गईं। अपनी उपलब्धियों पर प्रतिक्रिया देते हुए पद्मश्री बलवंत ठाकुर ने कहा कि वर्ष 2025 नटरंग के लिए मील का पत्थर साबित हुआ है और संस्था आने वाले वर्षों में और भी बड़े सांस्कृतिक कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक माह तक चली शतरंज टूर्नामेंट 'वेलकम वर्ष 2026' प्रतियोगिता संपन्न

जम्मू, 30 दिसंबर (हि.स.)। विवेक चेस अकादमी की ओर से 'वेलकम वर्ष 2026' चेस प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता लगभग एक माह तक चली, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के अंतर्गत सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले 30 दिसंबर 2025 को खेले गए। टूर्नामेंट का उद्देश्य खिलाड़ियों में रणनीतिक सोच, एकाग्रता और खेल भावना को बढ़ावा देना रहा।

मुख्य वर्ग के फाइनल मुकाबले में सुरिंदर गुप्ता ने अमृता गुप्ता को हराकर पहला स्थान प्राप्त किया। अमृता गुप्ता दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में पार्थ ने अवनी को पराजित किया। महिला वर्ग के फाइनल में नितिका निषाद ने गुंजन को हराकर सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया। अंडर-10 वर्ग में फाइनल मुकाबले में प्रजन्या महाजन ने प्रिंस को हराकर प्रथम स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता में कुल 3000 रुपये की नकद राशि के साथ ट्रॉफी और प्रमाण पत्र विजेताओं को प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण समारोह में मोहल्ला मस्त गढ़ की वरिष्ठ नागरिक पूनम गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और उन्होंने विजेताओं को सम्मानित किया। आयोजकों ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह की प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों और युवाओं को शतरंज के प्रति प्रोत्साहित किया जाता रहेगा।

पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर बैंक कर्मियों का राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन

जम्मू, 30 दिसंबर (हि.स.)। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) के बैनर तले देशभर में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने मंगलवार को अपने–अपने बैंक कार्यालयों के सामने प्रदर्शन कर बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह मांग नई नहीं है और इससे जुड़ी सभी बातें सरकार, प्रबंधन और आम जनता के संज्ञान में हैं। कर्मचारियों का कहना है कि शाखाओं में लगातार बढ़ते कार्यभार, स्टाफ की कमी और अत्यधिक दबाव के कारण वे शारीरिक व मानसिक तनाव में काम करने को मजबूर हैं, ऐसे में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह समय की आवश्यकता बन गया है। यूएफबीयू नेताओं ने बताया कि वर्ष 2015 में हुए 10वें द्विपक्षीय समझौते/7वें संयुक्त नोट के तहत यह सहमति बनी थी कि हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहेगा, जबकि शेष शनिवार पूर्ण कार्यदिवस होंगे। इसके बाद 7 दिसंबर 2023 को इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और वर्कमैन यूनियनों के बीच हुए समझौते के अनुसार सभी शनिवारों को बैंकिंग उद्योग के लिए नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के तहत अवकाश घोषित करने की सिफारिश आईबीए द्वारा सरकार को भेजी गई। यूनियन नेताओं ने कहा कि कार्य समय में प्रस्तावित बदलाव केंद्र सरकार की मंजूरी और भारतीय रिजर्व बैंक सहित अन्य आवश्यक स्वीकृतियों के बाद ही लागू हो सकते हैं। इस मुद्दे को सरकार के पास भेजे हुए लगभग दो वर्ष हो चुके हैं, लेकिन अब तक अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार इस बात से भली–भांति अवगत है कि स्टाफ की भारी कमी के कारण बैंक कर्मचारी, अधिकारी और प्रबंधक अत्यधिक दबाव में काम कर रहे हैं। ऐसे हालात में शेष शनिवारों को अवकाश घोषित करने की मांग पूरी तरह उचित और न्यायसंगत है।

वाजपेयी का सुशासन मॉडल हमारे देश के सांस्कृतिक लोकाचार को दर्शाता है : डॉ. शिशु बुद्धल

राजौरी, 30 दिसंबर (हि.स.)। डॉ. हरि दत्त शिशु भाजपा प्रवक्ता, पूर्व मंत्री और उपाध्यक्ष भाजपा जम्मू–कश्मीर चौ. की उपस्थिति में मुख्य वक्ता के रूप में बुद्धल निर्वाचन क्षेत्र में एक विशाल सभा को संबोधित किया। जुल्फिकार अली जिलाध्यक्ष देव राज शर्मा, चौ. शफीक अहमद (उपाध्यक्ष, एसटी मोर्चा), मंजूर नाइक (मोर्चा उपाध्यक्ष) और डॉ. गारू स्नेही (उपाध्यक्ष, एससी मोर्चा) ने अटल स्मृति दिवस के हिस्से के रूप में पूर्व प्रधान मंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मनाई। डॉ. शिशु ने कहा कि वाजपेयी का सुशासन का सिद्धांत न केवल भारत के लिए एक मॉडल के रूप में काम करता है बल्कि दुनिया भर के कई देशों को प्रेरित करता है। शासन के बारे में उनका दृष्टिकोण राष्ट्र के सांस्कृतिक लोकाचार में गहराई से निहित था और उन्होंने राज धर्म के बुनियादी सिद्धांतों के पालन पर दृढ़ता से जोर दिया यह सुनिश्चित करते हुए कि सार्वजनिक मुद्दों को जाति, पंथ या धर्म के बावजूद न्याय के साथ संबोधित किया गया। डॉ. शिशु ने वाजपेयी के बहुमुखी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश के विकास में उनके योगदान को पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा।

स्नो स्प्रे का इस्तेमाल कर लड़कियों को परेशान करने वाले व्यक्ति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीनगर, 30 दिसंबर (हि.स.)। बडगाम में स्नो स्प्रे का इस्तेमाल कर नाबालिग लड़कियों को परेशान करने वाले व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया। चाडूरा के दो माता–पिता से शिकायत मिली कि उनकी नाबालिग बेटियों पर ट्यूशन से लौटते समय एक अज्ञात व्यक्ति ने हमला किया जिसने उनकी आंखों में एक रासायनिक पदार्थ छिड़क दिया। तदनुसार बीएनएस की धारा 62 और 137 के तहत पीएस चदूरा में मामला एफआईआर संख्या 209/2025 दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया जिससे संदिग्ध की पहचान हुई। बाद में पूछताछ और तलाशी से पता चला कि चडूरा के गौहरपोरा निवासी फैयाज अहमद खान के बेटे राजा फुरकान ने पीड़ितों की आंखों में स्नो स्प्रे छिड़ककर इस कृत्य को अंजाम दिया था। घटना के समय आरोपी द्वारा पहने गए कपड़े और जूते उसके कब्जे से बरामद किए गए। पीड़ितों द्वारा आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। यह भी पता चला है कि आरोपी ने पहले भी कथित तौर पर इसी तरह के कृत्य का प्रयास किया था लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे बिना किसी औपचारिक शिकायत के डांट–फटकार के बाद छोड़ दिया था। पुलिस महिलाओं के खिलाफ अपराधों के प्रति अपनी शून्य–सहिष्णुता की नीति दोहराती है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

7 दिवसीय महर्षि चेतना आधारित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन

जम्मू,30 दिसंबर। महर्षि विद्या मंदिर, जम्मू में 23 से 29 दिसंबर 2025 तक सात दिवसीय महर्षि चेतना आधारित शिक्षा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन एक भव्य दीक्षांत समारोह के साथ हुआ, जिसमें भारतीय जन संचार संस्थान, भारत सरकार के महानिदेशक डॉ. दिलीप कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने प्रेरक उद्बोधन में डॉ. कुमार ने शिक्षकों को अध्ययन शील, अध्ययन रत और आनंदित रहने का मंत्र देते हुए राष्ट्र–निर्माण में उनकी भूमिका पर बल दिया। इस अवसर पर श्री एस. के. जैन, श्री के. सी. एस. मेहता, श्री अतुल हंस, श्री राजीव शर्मा और श्रीमती विशाखा शर्मा जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविदों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को द्विगुणित किया। वेन्यू डायरेक्टर डॉ. विष्णु गोविंद वर्मा के स्वागत भाषण और श्रीमती लीना अबरोल के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ यह 7 दिवसीय कार्यक्रम शिक्षकों के बौद्धिक परिष्कार और आंतरिक

चेतना के विकास को समर्पित एक गहन शैक्षणिक यात्रा रही। कोर्स डायरेक्टर डॉ. वीणा बहुगुणा और सहायक कोर्स डायरेक्टर श्री सुधीर सिंह जादौन के कुशल मार्गदर्शन में, इस प्रशिक्षण ने समकालीन शिक्षा प्रणाली में चेतना के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिदिन गुरु पूजन और दीप प्रवलन जैसी पवित्र परंपराओं के साथ हुआ, जिसके पश्चात सामूहिक ध्यान और टी.एम. सिद्धि अभ्यास के माध्यम से शिक्षकों ने एक शांत और सुसंगत वातावरण में MCBE के व्यावहारिक सार का अनुभव किया।

विशाल महिला उद्यमिता मेला आयोजित

किश्तवाड़ 0 दिसंबर (हि.स.)। जिला रोजगार एवं परामर्श केंद्र किश्तवार ने आज मिशन युवा के अंतर्गत किश्तवार के जिला उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में एक विशाल महिला उद्यमिता एवं स्वयं सहायता समूह मेले का आयोजन किया।

उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने दीप प्रज्वलित करके मेले का उद्घाटन किया।

जिले के विभिन्न भागों से लगभग 500 महिला उद्यमियों, एसएचजी सदस्यों और इच्छुक प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने महिला प्रतिभागियों को सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता, कौशल प्रशिक्षण और बाजार संपर्क सहायता के संबंध में प्रत्यक्ष मार्गदर्शन प्रदान किया।

महिला उद्यमियों और एसएचजी सदस्यों ने हस्तशिल्प, कढ़ाई, हथकरघा उत्पाद, सिलाई उत्पाद, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और अन्य सूक्ष्म उद्यम उत्पादों सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की। स्टॉलों ने किश्तवार जिले की महिलाओं की रचनात्मकता, कौशल और उद्यमशीलता क्षमता को प्रतिबिंबित किया।

मान्यता और प्रोत्साहन के प्रतीक के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला उद्यमियों को ट्राफियां देकर सम्मानित किया गया। इस पहल ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में उनके परिश्रम, नवाचार और योगदान को सराहा। सम्मान समारोह ने अन्य महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों को भी आजीविका के स्थायी विकल्प के रूप में उद्यमिता अपनाने के लिए प्रेरित किया। यह मेला जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जिससे महिलाओं के लिए उद्यमिता के अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ी।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से दो बच्चों की मौत

श्रीनगर, 30 दिसंबर (हि.स.)। कुपवाड़ा जिले के करनाह क्षेत्र के ताड़ गांव में एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से कम से कम दो बच्चों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि पंजीकरण संख्या जेके09बी–4871 वाला ट्रैक्टर ताड़ गांव का निवासी अजहर अहमद चला रहा था कि अचानक उसने बच्चों को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत तंगधार उप–जिला अस्पताल (एसडीएच) पहुंचाया जहां दो बच्चों को मृत घोषित कर दिया गया जबकि तीसरे बच्चे का इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

लकड़ी की तस्करी करने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कसा

जम्मू, 30 दिसंबर (हि.स.)। लकड़ी की अवैध तस्करी के खिलाफ लगातार जारी कार्रवाई में जम्मू पुलिस ने वन विभाग के अधिकारियों के समन्वय से घरोटा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में खैर की लकड़ी की अवैध ढुलाई के लिए इस्तेमाल किए जा रहे ऊंटों को रोककर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। ऊंटों के इस्तेमाल से खैर की लकड़ी की तस्करी के संबंध में मिली विशिष्ट सूचना के आधार पर घरोटा पुलिस स्टेशन और वन विभाग की एक संयुक्त टीम ने 28 29 दिसंबर 2025 की दरमियानी रात को घरोटा के सरोटे गांव में तलाशी अभियान चलाया।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर / पुल / कार्यशाला, उत्तर रेलवे, जालंधर छावनी के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ओपन ई–टेंडर को एकल पैकेट सिस्टम के तहत निमंत्रित किया गया है।

क्रम सं.	निविदा सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रुपये)	धरोहर राशि (रुपये)	खुलने की तिथि	IREPS पर बोली लगाने की तिथि	निविदा फार्म की लागत (रुपये)	कार्य समापन का समय
1.	OT-23-JRC-2025	SSE/BR/M/UMB के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत DUK सेक्शन में पुल संख्या 232 DN (2 x 30.5 मीटर), 233 DN (5 x 30.5 मीटर) और CDG- MRND सेक्शन में पुल संख्या 3 (3 x 30.5 मीटर) पर साइड पाथवे का प्रावधान करना।	1,25,32,347.59	2,12,700.00	21.01.2026	07.01.2026 से 21.01.2026	0	10 महीने
2.	OT-24-JRC-2025	SSE/BR/M/UMB के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत RPJ-BTI सेक्शन में OWG पुल संख्या 62 A DN (1 x 61.0 मीटर), पुल संख्या 102 DN (1 x 45.7 मीटर), पुल संख्या 172 DN (1 x 61.0 मीटर) व पुल संख्या 292 (1 x 30.5 मीटर) और BTI-SGNR सेक्शन में स्टील गर्डर पुल संख्या 180 (1 x 19.49 मीटर) पर साइड पाथवे का प्रावधान करना।	89,47,845.36	1,79,000.00	21.01.2026	07.01.2026 से 21.01.2026	0	10 महीने
3.	OT-25-JRC-2025	SSE/BR/M/JUC के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पुल संख्या 84 और SSE/BR/M/PTK के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पुल संख्या 17 DN, 81 DN, 172 DN का फोटोग्रामेट्री सहित एरियल ड्रोन सर्वेक्षण करना।	29,76,759.93	59,500.00	21.01.2026	07.01.2026 से 21.01.2026	0	04 महीने

निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय	प्रत्येक के खिलाफ दिखाए गए तिथियों पर 15:00 बजे तक और उसी समय 15:00 बजे के बाद।
वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है और डाउनलोड किया जा सकता है।	विस्तृत ई–निविदा सूचना उत्तरी रेलवे वेब साइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

No. 80-W/30/Bridges/ Invitation Dated: 30.12.2025 **4030/25**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

'शिक्षा विकास को सशक्त बनाती है, गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करती है'

जम्मू, 30 दिसंबर (हि.स.)। बलबीर राम रतन ने अपनी पार्टी के सहयोगियों से शिक्षा के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षा विकास को सशक्त बनाने और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करने की सबसे शक्तिशाली शक्ति है।

भाजपा प्रवक्ता और पूर्व उपाध्यक्ष बलबीर राम रतन ने शिक्षा को व्यक्तिगत और राष्ट्रीय प्रगति का आधारशिला बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि इसका प्रभाव कक्षाओं, पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं से कहीं अधिक व्यापक है। उन्होंने रेखांकित किया कि शिक्षा आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और नैतिक जीवन की नींव रखती है।

अवैध नशीले पदार्थों के साथ दो कुख्यात नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार

जम्मू, 30 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में नागरोटा पुलिस स्टेशन ने नियमित गश्त और चेकिंग ड्यूटी के दौरान दो कुख्यात नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार करके और उनके पास से अवैध नशीले पदार्थ बरामद करके बड़ी सफलता हासिल की। पीएसआई निखिल शर्मा के नेतृत्व में एक पुलिस दल को राम नगर मोड़ एनएचडब्ल्यू टीसीपी बाई–पास क्रशर प्लांट के पास नागरोटा में गश्त और चेकिंग ड्यूटी पर तैनात किया गया था। चेकिंग के दौरान जम्मू की तरफ से आ रहे पंजीकरण संख्या जेके02डीएच–2877 वाले एक ऑटो–रिक्शा को रुकने का इशारा किया गया। पूछताछ करने पर चालक ने अपनी पहचान जोग राज पुत्र गुलजार सिंह निवासी मकान संख्या 40 वाल्मीकि कॉलोनी गांधी नगर जम्मू के रूप में बताई और उसके साथी ने अपनी पहचान आशीष जीत सिंह पुत्र बलजीत सिंह निवासी मकान संख्या 192 में बताई। दोनों व्यक्तियों का व्यवहार संदिग्ध पाया गया। उनकी तलाशी के दौरान दोनों आरोपियों के पास से लगभग 5–6 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया। तदनुसार पुलिस स्टेशन नग्रोटा में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8 21 22 29 के तहत एफआईआर संख्या 261 2025 दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है।

Office of the Executive Engineer, Irrigation Division No.I, Jammu.

Subject 1.Desilting of Rathua branch of new GhouManhasaKhul from RD 0 to 1815M
2.Desilting of GajansooKhul from Rd 0 to 6480M.
3. Silt Clearance from KarloopKhul from Rd 0 to 2200M Kouleychakkhul from RD 0 to 1600M.
4.Silt Clearance from Saharan Khul from RD 0 to 4200M and Saharan Feeder Channel from Rd 0 to 870M.
5.Silt Clearance from PangoreKhul from Rd 0 to 1450M
6.Silt Clearance from Dub Karam din and KalyanpurlstKhuls of D-1 of MRC.
7.Desilting of LIS GurahPattan Lower Malpur LIS Old Malpur and LIS Upper Malpur of MRC
8. Silt Clearance of Khul 8500ft and Khul 9500ft of D-2-B of MRC..
9. Silt Clearance of New GhouManhasanKhul RD 0 to 6200M.
10. Desilting of TikriRakhwalalst and TikriRakhwalan 2nd Khul.
11. Desilting of BhagatpurKhul from RD 0 to 2750M
12.Desilting of Karwali branch of New GhouManhansaKhul from Rd 0 to 2060M
13.Desilting of Rathua branch of new GhouManhasaKhul from RD 0 to 1815Mt
14 Silt Clearance from KarloopKhul from Rd 0 to 2200M Kouleychakkhul from RD 0 to 1600
15. Silt Clearance from Saharan Khul from RD 0 to 4200M and Saharan Feeder Channel from Rd 0 to 870M.
16.Silt Clearance from PangoreKhul from Rd 0 to 1450M
17. Silt Clearance from Dub Karam din and KalyanpurlstKhuls of D-1 of MRC.
18.Desilting of LIS GurahPattan Lower Malpur LIS Old Malpur and LIS Upper Malpur of MRC.
19.Silt Clearance of Khul 8500ft and Khul 9500ft of D-2-B of MRC.
20. Silt Clearance from disty 7B of MRC RD 50 to 1200M.
21.Silt Clearance and other allied works and disty No.9A between Rd 1300 to 2825M
22.Silt Clearance of Bhadrore minor of D-8 of MRC RD 0 to 2200M.
23. Silt Clearance from Escape 83000 Rd 320 to 1350M.
24 Silt Clearance and other allied works and disty No.9A between Rd 1300 to 2825M
25 Silt Clearance from disty 3D RD 50 to 800M
26. Silt Clearance from disty 3F RD 50 to 3900
27.Silt Clearance from disty 4A RD 30 to 500M.
28. Silt Clearance from disty 4C RD 0 to 1300M
Reference : This office e-NIT No.33,34& 35 of 2025-26

Extension of date.

Due to Poor response received, the eNIT for the above mentioned works is hereby extended as follows :-
1. For work serial No. 01 to 15 to 02.01.2026 upto 6PM
2. For work serial No.16 to 28 to 03.01.2026 upto 6PM.

Further, it is informed that the price cover shall be opened on 03.01.2026 &05.1.2026 at 12.00 Noon subjective.

No: JID-I/8677-85
Dated : 29.12.2025.

Sd/-
Executive Engineer
Irrigation Division No.I, Jammu

DIP/J-9587/25
Dtd: 30-12-2025

एसपीएमआर कॉलेज जम्मू में पांच दिवसीय सिविल डिफेंस प्रशिक्षण शिविर शुरू

जम्मू, 30 दिसंबर (हि.स.)। सरकारी एसपीएमआर कॉलेज ऑफ कॉमर्स जम्मू में सिविल डिफेंस विभाग द्वारा पांच दिवसीय बेसिक ट्रेनिंग प्रोग्राम की शुरुआत की गई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डिप्टी एसपी जिया–उल–हक, डिप्टी कंट्रोलर सिविल डिफेंस, जम्मू की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है जिसमें कॉलेज के 50 छात्र एवं स्टाफ सदस्य भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्राथमिक उपचार, आग से बचाव व नियंत्रण, सर्पदंश, गला घुटने की स्थिति तथा अन्य बुनियादी जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही हवाई हमले, प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं के दौरान अपनाए जाने वाले निवारक उपायों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रीना रानी ने सिविल डिफेंस टीम का स्वागत करते हुए इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मुख्य वार्डन सिविल डिफेंस, जम्मू, परमजीत कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला और छात्रों को सिविल डिफेंस की भूमिका व महत्व से अवगत कराया। उन्होंने ठंड की लहर, उग्रवाद, मॉक ड्रिल जैसी अनिश्चित परिस्थितियों में सिविल डिफेंस की उपयोगिता पर भी विस्तार से चर्चा की। डिप्टी चीफ वार्डन सिविल डिफेंस, जम्मू, आर. विजय मागोत्रा ने भी अपने संबोधन में संगठन में सिविल डिफेंस वार्डनों की सेवाओं और उनके दायित्वों को रेखांकित किया। कार्यक्रम में डॉ. संजीव वर्मा, डॉ. ममता रानी, डॉ. आकांक्षा शर्मा, डॉ. गगनदीप कौर और डॉ. जसप्रीत कौर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

जम्मू के तिरूपति बालाजी मंदिर में वैकुंठ एकादशी भक्तिभाव से मनाई गई

जम्मू, 30 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू में 30 दिसंबर को आध्यात्मिक रूप से उत्साहजनक माहौल देखा गया क्योंकि वैकुंठ एकादशी को तिरूपति बालाजी मंदिर में बड़ी भक्ति के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर भगवान वेंकटेश्वर के पवित्र दर्शन के लिए उत्तरी द्वार खोले गए जिसमें पूरे क्षेत्र से श्रद्धालु आए। कार्यक्रम का संचालन मंदिर निरीक्षक साईं कृष्णा जी की देखरेख में किया गया। जम्मू की कई प्रमुख हस्तियों ने समारोह में भाग लिया और मंदिर में पूजा–अर्चना की। उपस्थित लोगों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा जी पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंदर रैना , मुख्य चुनाव अधिकारी जम्मू–कश्मीर संजीव वर्मा , डीआइजी जम्मू शिव कुमार , विधायक पूर्वी युद्धवीर सेठी , विधायक अरविंद गुप्ता , भाजपा नेता राजू जंडियाल और केशव गुप्ता , राजीव गुप्ता और सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष पारसोत्तम दतीची थे।

गणमान्य व्यक्तियों ने प्रार्थना की भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद लिया और लंगर प्रसाद में भाग लिया। उन्होंने जम्मू के लोगों से ऐसे दिव्य अवसरों में भाग लेने और भगवान का आशीर्वाद लेने की अपील की।

संपादकीय

त्योहारी हुड़दंग पर रोक लगाएं

नए साल का जश्न खुशी, आशा और एकजुटता का समय होता है। यह नई शुरुआत का प्रतीक है और रोज़मर्रा की ज़िंदगी से एक ब्रेक देता है, जिससे लोग सोच-विचार कर सकें और उम्मीद के साथ आगे देख सकें। इसलिए, जश्न मनाना चाहिए—और यह होना भी चाहिए। फिर भी, जश्न मनाने के अधिकार के साथ एक समान रूप से महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी भी आती है- यह सुनिश्चित करना कि व्यक्तिगत आनंद सार्वजनिक परेशानी न बने या जान जोखिम में न डाले।

नए साल की पूर्व संध्या से पहले जम्मू में किए गए इंतज़ाम इस नाज़ुक संतुलन को उजागर करते हैं। पुलिस की बढ़ी हुई तैनाती, ट्रैफिक नियम और नशे में ड्राइविंग के खिलाफ सख्त जांच का मकसद त्योहार के जोश को कम करना नहीं है। इसके विपरीत, ये उपाय इसे सुरक्षित रखने के लिए हैं। पिछले अनुभव बताते हैं कि लापरवाही से गाड़ी चलाना, सार्वजनिक जगहों पर तेज़ म्यूज़िक बजाना और शराब के नशे में होने वाली गड़बड़ी खुशी की रातों को पछतावे की सुबह में बदल सकती है। कोई भी जश्न तब तक सफल नहीं कहा जा सकता जब तक वह दुर्घटनाएं, चोटें या डर का माहौल पीछे छोड़ जाए।

जश्न मनाने के लिए शहर की सड़कों पर तेज़ गति से गाड़ी चलाने या सार्वजनिक जगहों पर शराब पीने की ज़रूरत नहीं है। न ही यह तेज़ म्यूज़िक पर निर्भर करता है जो पड़ोसियों को परेशान करता है और दूसरों की शांति भंग करता है। शोर, पार्किंग और सार्वजनिक व्यवहार को नियंत्रित करने पर ज़ोर एक सरल सिद्धांत को दर्शाता है साझा जगहों में आज़ादी को साझा आराम का सम्मान करना चाहिए। घरों, होटलों और तय जगहों पर आनंद का स्वागत है; सड़कों और सार्वजनिक जगहों पर परेशानी का नहीं।

ट्रैफिक अनुशासन पर विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है। नए साल की रातों में पारंपरिक रूप से शहर भर में लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है क्योंकि परिवार और दोस्त जश्न मनाने के लिए इकट्ठा होते हैं। सुरक्षित ड्राइविंग, ट्रैफिक नियमों का सम्मान और नशे में ड्राइविंग से पूरी तरह बचना नागरिकों की एक-दूसरे के प्रति बुनियादी शिष्टाचार है। ट्रैफिक पुलिस और चेकिंग पॉइंट्स की मौजूदगी को एक सपोर्ट सिस्टम के तौर पर देखा जाना चाहिए जो यह सुनिश्चित करता है कि हर कोई सुरक्षित घर पहुंचे, न कि आनंद में बाधा के रूप में।

जैसे ही जम्मू नए साल का स्वागत करने की तैयारी कर रहा है, ध्यान शांति, सुरक्षा और आपसी सम्मान पर रहना चाहिए। जो जश्न जान जोखिम में डालते हैं या सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करते हैं, वे नई शुरुआत की भावना को ही कमज़ोर करते हैं। नियमों का पालन करके और अधिकारियों के साथ सहयोग करके, नागरिक नए साल का स्वागत अराजकता के साथ नहीं, बल्कि शांति, सुरक्षा और साझा ज़िम्मेदारी के साथ कर सकते हैं।

आखिरकार, नए साल के जश्न की सफलता इस बात से नहीं मापी जाएगी कि पार्टियां कितनी देर तक या कितनी ज़ोर से चलीं, बल्कि इस बात से कि शहर अगली सुबह कितनी शांति और सुरक्षा से जागता है। जश्न और अनुशासन एक-दूसरे के विपरीत नहीं हैं; वे एक-दूसरे के पूरक हैं। सार्वजनिक परेशानी के बजाय जिम्मेदार आनंद को चुनकर, नागरिक यह पक्का कर सकते हैं कि नया साल एक पॉजिटिव नोट पर शुरू हो—सभी के लिए आनंददायक, सुरक्षित और सम्मानजनक।

रिफॉर्म एक्सप्रेस 2025- भारत के अगले विकास चरण की शांत लेकिन मजबूत नींव

हरदीप एस पुरी

जैसे-जैसे 2025 अपने अंतिम चरण में पहुँच रहा है, समाचार की बड़ी सुर्खियों पर आसानी से नजर जाती है, लेकिन कुछ बातें छूट जाती हैं, जैसे शासन का शांति से किया जा रहा कार्य - लगातार, सप्ताह दर सप्ताह अड़चनों का निपटारा - सुधार एक्सप्रेस 2025 से मेरा मतलब यही संचयी जोर है।

भारत का सांकेतिक जीडीपी लगभग 4.1 ट्रिलियन डॉलर की सीमा को पार कर गया और भारतीय अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई। स्टैण्डर्ड एंड पूअर्स ने 18 साल बाद भारत की सॉवरेन रेटिंग बीबीबी श्रेणी में की, जो संकेत है किअर्थव्यवस्था की वृहद् गाथा ने केवल गति ही नहीं, बल्कि स्थायित्व भी हासिल किया है। एक अनिश्चित दुनिया में, जहाँ राजनीतिक उथल-पुथल आम बात हो गयी है, भारत का स्थिर नेतृत्व सुधारों को विश्वसनीय बनाता हैऔर विश्वसनीय सुधार निजी सतर्कता को निजी निवेश में परिवर्तित करते हैं।

मैंने देखा है कि गैट और डब्ल्यूटीओ प्रणाली से लेकर बहुपक्षीय मंचों तक, नियम केवल उतने ही अच्छे होते हैं जितना कि वे प्रोत्साहन पैदा करते हैं। जब प्रक्रियाएँ अस्पष्ट होती हैं, तो विवेकाधिकार बढ़ जाता हैऔर फिर अच्छी मंशा वाली नीति भी उद्यम को हतोत्साहित करती है। जब प्रक्रियाएँ स्पष्ट और समयबद्ध होती हैं, तो प्रतिस्पर्धा फलती-फूलती है, निवेश योजनाएँ लागू होती हैंऔर रोजगार सृजित होते हैं।

भारत का कुल निर्यात 2024-25 के दौरान 825.25 बिलियन डॉलर पर पहुँच गया, जो 6न्न से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर दर्शाता है। इस व्यापार की मात्रा का समर्थन करने के लिए, सरकार ने कई डिजिटल उपकरण पेश किये हैं, जैसे व्यापार कनेक्ट ई-प्लेटफ़ॉर्म, जो निर्यातकों के लिए एकल डिजिटल विंडो है और व्यापार खुफिया और विश्लेषण (टीआईए)पोर्टल, जो वास्तविक समय में बाजार डेटा प्रदान करता है।

भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता, जिस पर जुलाई 2025 में हस्ताक्षर हुए, ने भारतीय निर्यातकों के लिए एक मजबूत मंच तैयार किया, जिसमें व्यापक शुल्क-मुक्त पहुंच और सेवा और कौशल आवागमन के लिए स्पष्ट मार्ग शामिल हैं। दिसंबर 2025 में, भारत ने ओमान के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे वस्तुओं, सेवाओं और निवेश के लिए एक रणनीतिक आर्थिक व्यवस्था मजबूत हुई। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता का भी समापन किया, जिससे भारत की पहुंच को उच्च मूल्य वर्ग वाले बाजारों में विस्तार मिला और अनुशासित, व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण समझौतों के लिए एक रूपरेखा स्थापित हुई।

भारत के स्टार्टअप क्षेत्र का विस्तार हुआ, जिसमें 2 लाख से अधिक सरकारी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप शामिल हैं और जिसने 21 लाख से अधिक नौकरियां सृजित करने में मदद की। डिजिटल वाणिज्य के लिए ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी) ने 3.26 करोड़ से अधिक ऑर्डर पूरे किए, जिनमें औसतन प्रतिदिन 5.9 लाख से अधिक लेनदेन हुए। इसके अतिरिक्त, सरकार की ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) का संचयी लेनदेन 16.41 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया, जिसमें 11 लाख सूक्ष्म और लघु उद्यमों को 7.35 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा के ऑर्डर मिले।

भारत ने वैश्विक नवाचार सूचकांक में भी अपनी स्थिति में सुधार किया और 139 अर्थव्यवस्थाओं में 38वें स्थान पर पहुँच गया। व्यवसाय संचालन को सरल बनाने के प्रयासों के परिणामस्वरूप 47,000 से अधिक अनुपालन कम हुए और 4,458 कानूनी प्रावधान अपराध मुक्त हुए।

नवंबर के अंत तक, राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली ने 8.29 लाख से अधिक अनुमोदनों को संसाधित किया। अवसंरचना योजना में भी बदलाव देखने को मिला, क्योंकि पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को निजी क्षेत्र के लिए खोला गया और परियोजना निगरानी समूह पोर्टल ने 3,000 से अधिक परियोजनाओं को शामिल किया है, जिनका कुल मूल्य 76 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

विश्वास-आधारित शासन को अपनाते हुए, संसद नेनिरस्तीकरण और संशोधन विधेयक2025 पारित किया, जिससे 71 पुराने अधिनियमों को हटा दिया गया, जो अपनी उपयोगिता पूरी कर चुके थे। व्यवसाय करने में आसानी भी जिले स्तर की सुधार रूपरेखाओं के माध्यम से उद्यमियों के करीब आई, जिसमें जिला व्यवसाय सुधार कार्य योजना 2025 शामिल है, जिसका उद्देश्य स्थानीय प्रशासन को अधिक उत्तरदायी, पूर्वानुमान योग्य और जिम्मेदार बनाना है।

आधुनिक श्रम प्रणाली पैमाने, विनिर्माणऔरएक ऐसी सेवा अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, जो नौकरियों को औपचारिक बनाना चाहती है और सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करना चाहती है। 21 नवंबर 2025 से लागू हुई 4 श्रम संहिताओं के साथ, 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को पारिश्रमिक, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल सुरक्षा को कवर करने वाली सरल रूपरेखा में समेकित किया गया है।

प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक पेश किया गया ताकि प्रतिभूति कानून को आधुनिक बनाया जा सके और सेबी की जांच और प्रवर्तन क्षमता को मजबूत किया जा सके। इस विधेयक में विशेष बाजार न्यायालयों, नियामकों के साथ सूचना साझा करने की मजबूत व्यवस्था और समयबद्ध शिकायत निवारण के प्रस्ताव शामिल हैं। ऐसे समय में जब खुदरा भागीदारी बढ़ी है और भारत वैश्विक पोर्टफोलियो की अधिक रूचि आकर्षित कर रहा है, नियामक स्पष्टता राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बन जाती है, जिससे बचत का प्रवाह उपयोगी निवेश की ओर होता है।

लॉजिस्टिक्स एक अन्य क्षेत्र है, जहां लागतों में सुधार स्पष्ट रूप से दिखाई देता हैऔर 2025 में व्यापार के समुद्री घटक को आधुनिक बनाने के लिए एक पहल की गई। भारत का व्यापार मात्रा के आधार पर लगभग 95% और मूल्य के आधार पर लगभग 70% समुद्री मार्गों से होता है, इसलिए पत्तन और पोत परिवहन की दक्षता एक प्रतिस्पर्धात्मक मुद्दा है। औपनिवेशिक युग की व्यवस्था की जगह पर भारतीय पत्तन अधिनियम 2025 पेश किया गया, जिसने आधुनिक शासन उपकरण पेश किए, जिसमें राज्य स्तर पर विवाद समाधान, एक वैधानिक समन्वय परिषद, और सुरक्षा, आपदा तैयारी, और पर्यावरण तैयारी पर कड़े नियम शामिल हैं।

व्यवसायी पोत परिवहन अधिनियम 2025 और समुद्री मार्ग माल परिवहन अधिनियम 2025ने पोत परिवहन कानून को और आधुनिक बनाया; नियम,

लॉजिस्टिक्स एक अन्य क्षेत्र है, जहां लागतों में सुधार स्पष्ट रूप से दिखाई देता हैऔर 2025 में व्यापार के समुद्री घटक को आधुनिक बनाने के लिए एक पहल की गई। भारत का व्यापार मात्रा के आधार पर लगभग 95न्न और मूल्य के आधार पर लगभग 70न्न समुद्री मार्गों से होता है, इसलिए पत्तन और पोत परिवहन की दक्षता एक प्रतिस्पर्धात्मक मुद्दा है।

जिम्मेदारी और विवाद व्यवस्था अद्यतन हुए, जिनमें समकालीन वाणिज्य की झलक मिलती है।

कैबिनेट ने जहाज निर्माण को मजबूत करने के लिए 69,725 करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी दी, जिसमें 25,000 करोड़ रुपये का समुद्र विकास कोष तथा वित्तीय सहायता और विकास के घटक शामिल हैं। यह मंजूरी एक बड़े उद्देश्य की ओर इशारा करती है- औद्योगिक सुदृढ़ता का निर्माण करना, निर्भरता कम करना और समय के साथ माल मूल्य को भारत के भीतर बनाए रखना। आदर्श अर्थ में यह औद्योगिक नीति है, एक ऐसे इकोसिस्टमका निर्माण, जहां निजी पूंजी स्पष्ट जोखिम रूपरेखा के साथ प्रवेश कर सके, और जहां नौकरियां केवल पत्तनों में ही नहीं बल्कि शिपयार्ड, घटक, इंजीनियरिंग और सेवाओं में भी पैदा होती हैं।

ऊर्जा सुधार भी दीर्घकालीन निवेश के लिए डिजाईन किये गए थे। तेलक्षेत्र संशोधन और नई पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियमावली 2025 ने पट्टे की अवधि के दौरान शर्तों की स्थिरता पर जोर देकरनिवेशक जोखिम को कम करने का प्रयास किया, परियोजना जीवन चक्र के दौरान एकल पेट्रोलियम पट्टे की ओर कदम बढ़े और अनुमोदनों के लिए स्पष्ट समयसीमा निर्धारित की गयी। खुला क्षेत्र लाइसेंस नीति ने अन्वेषण मानचित्र को और विस्तारित किया, जिसमें चरण एक्स ने लगभग 0.2 मिलियन वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में 25 ब्लॉक्स की पेशकश की, जो मुख्य रूप से समुद्री क्षेत्रों में थे, जिसमें गहरे पानी और अत्यधिक गहरे पानी की संभावनाएं शामिल थीं। इसके साथ ही, राष्ट्रीय गहरे पानी अन्वेषण मिशन ने जटिल अन्वेषण में घरेलू संसाधनों, प्रौद्योगिकी और क्षमता पर रणनीतिक ध्यान का संकेत दिया।

सुधार एक्सप्रेस 2025 में रणनीतिक ऊर्जा और प्रौद्योगिकी का एक आयाम भी शामिल था। बजट 2025 में नाभिकीय ऊर्जा मिशन की रूपरेखा पेश की गयी, जिसमें छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर्स और अन्य उन्नत डिज़ाइनों को तेज़ी से विकसित करने के लिए 20,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया, जो 2047 तक 100 गीगावॉट नाभिकीय क्षमता हासिल करनेऔर 2033 तक 5 स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किए गए चालू छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर्स की क्षमता निर्मित करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप है। शांति विधेयक भारत के नागरिक परमाणु रूपरेखा के आधुनिकीकरण और सावधानीपूर्वक विनियमित निजी भागीदारी के लिए मार्ग खोलने में एक बड़ा कदम है। नाभिकीय ऊर्जा ग्रिड में स्थिर, कम कार्बन ऊर्जा देती है तथा उन्नत निर्माण, डेटा अवसंरचना, और ऊर्जा-गहन उद्योगों को अधिक आत्मविश्वास के साथ विकसित करने की भारतीय क्षमता को मजबूत करती है।

इन सुधारों को मिलाकर देखा जाए तो एक पैटर्न दिखाई देता है- कानूनों को सरल बनाना, मामूली अपराधों को अपराधमुक्त करना, श्रम अनुपालन को आधुनिक बनाना, बाजार शासन को मजबूत करना, व्यापार प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण करना, लॉजिस्टिक्स की कमियों को दूर करना और लंबी अवधि के ऊर्जा निवेश में जोखिम कम करना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार यह कहते रहे हैं कि राज्य का काम उद्यमियों को बोझ को कम करना है, ताकि उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि हो। यही सुधार एक्सप्रेस 2025 का रणनीतिक अर्थ है। दो अंकों वाली अगली विकास दर की शुरुआत इसी शांत, सतत कार्य में की गई है, और भारत इसे उस स्थिरता के साथ कर रहा है, जिसे कई अर्थव्यवस्थाओं ने खो दिया है।

(लेखक भारत सरकार में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

भारत में नववर्ष की परंपराएं

श्वेता गोयल

नए साल के आगमन की खुशी में लोग नव वर्ष की पूर्व संध्या पर नाचते-गाते हैं और खुशियां मनाते हैं। नाच-गाने का यह सिलसिला घड़ी में रात्रि के 12 बजने अर्थात नव वर्ष के आरंभ होने तक चलता है और घड़ी की सूई से जैसे ही 12 बजने का संकेत मिलता है अर्थात नया साल दस्तक देता है, चहुं ओर आतिशबाजी का धूम-धड़ाका शुरू हो जाता है। नव वर्ष के प्रथम दिन लोग एक-दूसरे को नववर्ष की बधाई देते हुए स्वयं के लिए भी कामना करते हैं कि नया साल शुभ एवं फलदायक हो और नव वर्ष में सफलता उनके कदम चूमे।

दुनिया भर में नव वर्ष का स्वागत बड़ी धूमधाम, उमंग और उल्लास के साथ किया जाता है। अनेक देशों में नववर्ष से जुड़ी अपनी-अपनी परम्पराएं हैं। हमारे देश के विभिन्न प्रांतों में भी नववर्ष का स्वागत अलग-अलग तरीके से किया जाता है लेकिन कई जगह नव वर्ष मनाने की परम्पराएं और रीति-रिवाज इतने विचित्र हैं कि लोग उनके बारे में जानकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं। संभवतः दुनिया भर में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जहां नव वर्ष एक से अधिक बार और विविध रूपों में मनाया जाता है। हमारे यहां ईस्वी संवत् और विक्रमी संवत् दोनों को ही महत्व दिया जाता है। ईस्वी संवत् के अनुसार नव वर्ष की शुरूआत एक जनवरी को और विक्रमी संवत् के अनुसार नए साल की शुरूआत वैशाख माह के प्रथम दिन से मानी जाती है जबकि इस्लाम में हिजरी संवत् के आधार पर नववर्ष की शुरूआत मानी जाती है।

बहरहाल, नव वर्ष मनाने की परम्पराएं चाहे कुछ भी हों, सभी का उद्देश्य एक ही है और वह है नव वर्ष सुख, शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण हो। आइए जानते हैं, भारत के विभिन्न हिस्सों में कैसे मनाया जाता है नव वर्ष-–

महाराष्ट्र में नव वर्ष के शुभ अवसर पर एक सप्ताह पहले ही घरों की छतों पर रेशमी पताका फहराई जाती है। घरों व दफ्तरों को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जाता है तथा इस दिन पतंगें उड़ाकर नव वर्ष का स्वागत किया जाता है। बिहार में नव वर्ष के मौके पर विद्या की देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। गरीब बच्चों को कपड़े तथा चावल का दान किया जाता है ताकि वर्ष भर घरों में सुख-शांति एवं समृद्धि बनी रही। असम में नव वर्ष की यादगार बेला में घर के आंगन में मांडणे (रंगोली) सजाए जाते हैं तथा दीप या मोमबत्तियां जलाई जाती हैं। गाय को रोटी और गुड़ खिलाया जाता है ताकि नव वर्ष हंसी-खुशी के साथ गुजरे।

केरल में नव वर्ष के अवसर पर नीम व तुलसी की पत्तियां तथा गुड़ खाना शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इनको खाने से शरीर साल भर तक स्वस्थ बना रहता है। राजस्थान में नव वर्ष के विशेष अवसर पर गुड़ से बने पकवान खाना बहुत शुभ माना जाता है ताकि वर्षभर मुंह से मधुर बोली ही निकलती रहे।

मणिपुर में इस दिन तरह-तरह की आतिशबाजी की जाती है तथा अनेक स्थानों पर भूत-प्रेतों के पुतले बनाकर भी जलाए जाते हैं ताकि भूत-प्रेत किसी को नुकसान न पहुंचा सकें।

छत्तीसगढ़ में यहां के आदिवासी तरह-तरह के गीत गाकर नव वर्ष का स्वागत करते हैं। इस दिन यहां बच्चों को गोद लेने की प्रथा भी है ताकि वर्ष का प्रत्येक दिन खुशियों से भरा रहे। राज्य के कुछ आदिवासी इलाकों में फसल में महुआ के फूल दिखाई देने पर आदिवासी उत्सव मनाया जाता है, जो उनके नव वर्ष का प्रारंभ माना जाता है। देश के कई अन्य आदिवासी इलाकों में उनके देवी-देवताओं के आराधना पर्वों के हिसाब से नववर्ष की शुरुआत मानी जाती है।

जम्मू-कश्मीर में नव वर्ष के उपलक्ष्य पर अनाथ बच्चों को भरपेट भोजन कराकर नए कपड़े पहनाए जाते हैं और उनके माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी जाती है ताकि नव वर्ष हंसी-खुशी के साथ व्यतीत हो सके। नागालैंड के नाग आदिवासी नाग पंचमी के दिन से ही अपने नव वर्ष की शुरुआत करते हैं। कृषि प्रधान राज्यों पंजाब तथा हरियाणा में यूं तो आजकल एक जनवरी को ही नववर्ष धूमधाम से मनाया जाता है किन्तु यहां नई फसल का स्वागत करते हुए नववर्ष बैसाखी के रूप में भी मनाया जाता है। व्यापारी समुदाय के लोग अपने आर्थिक हिसाब-किताब की दृष्टि से दीवाली से ही नववर्ष की शुरुआत मानते हैं जबकि वित्तीय आधार पर शासकीय नववर्ष की शुरूआत एक अप्रैल से होती है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

फास्ट फूड की मीठी लत और कड़वी सच्चाई

डॉ. शिवानी कटारा

कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से आई एक खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया। 16 वर्ष की एक किशोरी, जो लंबे समय से अत्यधिक फास्ट फूड खा रही थी, गंभीर रूप से बीमार पड़ी। डॉक्टरों के अनुसार उसकी आंतें आपस में चिपक चुकी थीं, पाचन तंत्र लगभग पूरी तरह नष्ट हो चुका था। पेट में तरल भर गया था, रक्त संचार कम हो गया था और संक्रमण आंतों से फैलकर फेफड़ों तक पहुंच गया। ऑपरेशन हुआ, लेकिन जीवन नहीं बच सका। यह घटना मात्र एक वायरल खबर नहीं, बल्कि हमारे समय के लिए एक भयावह चेतावनी है। यह हमें ठहरकर सोचने को मजबूर करती है-जिस फास्ट फूड को हम बेफिक्र होकर खाते हैं, क्या वह वास्तव में उतना ही मासूम है, या फिर चुपचाप एक ऐसे सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है, जिसकी कीमत हम आने वाली पीढ़ियों से चुका रहे हैं?

सीधे-सीधे कहें तो फास्ट फूड वही खाना है जो झटपट मिल जाए और झटपट खा लिया जाए। न अधिक इंतजार, न अधिक मेहनत । इसकी पहली वजह है समय की कमी-तेज रफ्तार जीवन में लोगों के पास घर पर खाना बनाने या बैठकर खाने का समय नहीं बचा। दूसरी बड़ी वजह है हर जगह उपलब्धता। फास्ट फूड हर समय सामने है। तीसरी वजह है तीखा और लुभावना स्वाद। नमक, चीनी और तेल अधिक होता है, जो जीभ और दिमाग दोनों को तुरंत आकर्षित करता है। और अंत में, सोशल फैक्टर-पार्टी, बर्थडे, आउटिंग और दोस्तों के साथ मिलने-जुलने में फास्ट फूड अब सामान्य हिस्सा बन चुका है।

फास्ट फूड की लत केवल आदत का विषय नहीं, बल्कि मस्तिष्क की रसायनिकी से जुड़ा हुआ है। अत्यधिक मीठा, नमकीन और तला हुआ भोजन मस्तिष्क में 'डोपामिन' नामक रसायन का स्राव बढ़ाता है, जो तात्कालिक सुख और संतोष का अनुभव कराता है। धीरे-धीरे मस्तिष्क उस स्वाद को उसी सुखद अनुभूति से जोड़ लेता है। यहां तक कि उस भोजन को देखने या उसके बारे में सोचने मात्र से वही प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है। तनाव, थकान, उदासी या अकेलेपन की स्थिति में व्यक्ति अनजाने में ऐसे भोजन की ओर खिंचता है, क्योंकि वह तुरंत अच्छा लगने का एहसास देता है। यही कारण है कि फास्ट फूड धीरे-धीरे कम्फर्ट फूड बन जाता है, जबकि वास्तविकता में वह शरीर के लिए सबसे अधिक असुविधा और रोगों का कारण बनता है।

फास्ट और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का प्रभाव धीरे-धीरे दिखाई देता है। प्रारंभ में गैस, एसिडिटी, कब्ज़, थकान, त्वचा की समस्याएं , दांतों में केविटीज, मसूड़ों का इन्फेक्शन और एकाग्रता की कमी जैसी छोटी परेशानियां होती हैं, जिन्हें सामान्य मानकर अनदेखा कर दिया जाता है। लेकिन लंबे समय में यही आदतें मोटापा, टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, इंसुलिन प्रतिरोध और मेटाबॉलिक सिंड्रोम का कारण बनती हैं। इन खाद्य पदार्थों में फाइबर और पोषक तत्व कम, जबकि चीनी, नमक और हानिकारक वसा अत्यधिक होती है। इससे आंतों के लाभकारी जीवाणु नष्ट होते हैं, सूजन बढ़ती है और पाचन तंत्र कमजोर पड़ता है। बच्चों और किशोरों में इसका प्रभाव और भी गंभीर होता है, क्योंकि इसी अवस्था में शरीर और आदतें दोनों आकार ले रही होती हैं।

यह केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं है। इन रोगों का इलाज सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी बोझ डालता है, कार्यक्षमता घटती है और स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च गरीब और मध्यम वर्ग को सबसे अधिक प्रभावित करता है। दूसरे शब्दों में, फास्ट फूड का सस्ता होना एक भ्रम है-इसकी वास्तविक कीमत अस्पताल, दवाइयों और खोए हुए जीवन वर्षों के रूप में समाज चुका रहा है।

आज फास्ट फूड केवल प्लेट में परोसा गया खाना नहीं है, यह एक आक्रामक व्यवस्था है। चमकदार विज्ञापन, बच्चों को लुभाने वाले खिलौने, भारी छूट, मोबाइल ऐप्स की एक क्लिक सुविधा-सब मिलकर इसे हर उम्र, हर वर्ग तक पहुंचा रहे हैं। यह कोई संयोग नहीं है कि भारत में फास्ट फूड उद्योग तेजी से फैल रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2024 में भारत का फास्ट फूड बाजार लगभग 18.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था और इसके 2033 तक 35.5 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, यानी यह उद्योग लगभग 7 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर से आगे बढ़ रहा है। इस विस्तार का सबसे बड़ा असर बच्चों और युवाओं पर दिखाई देता है। विभिन्न भारतीय अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि स्कूल और कॉलेज आयु वर्ग में फास्ट फूड का सेवन 30 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक की व्यापकता दिखाता है। अर्थात यह अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य आदत बन चुकी है ।

इसके बावजूद, नीति स्तर पर स्थिति चिंताजनक है। तंबाकू और शराब जैसे उत्पादों पर स्वास्थ्य चेतावनियां, कर और विज्ञापन नियंत्रण लागू हैं, लेकिन जंक फूड/फास्ट फूड—जो बच्चों के शरीर और मस्तिष्क के विकास को प्रभावित करता है,अब भी अपेक्षाकृत ढीले नियमन के दायरे में है। विधायिका और सार्वजनिक नीति विमर्श में जंक फूड और शीतल पेयों पर चर्चा का अनुपात अत्यंत सीमित पाया गया है, जो यह संकेत देता है कि बढ़ते जोखिम के बावजूद इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में पर्याप्त गंभीरता से नहीं लिया गया है, जिससे स्वाद और सुविधा के नाम पर एक गहरा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट चुपचाप आकार ले रहा है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में भोजन को केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार माना गया है। आयुर्वेद स्पष्ट कहता है कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य जीवन के तीन स्तंभ हैं, और इनमें आहार सर्वोपरि है। भोजन सही विधि से लिया जाए तो वह औषधि है, और गलत विधि से लिया जाए तो वही विष बन जाता है। विरुद्ध आहार—जैसे ठंडे पेय के साथ तला-मसालेदार भोजन—को आयुर्वेद ने सदियों पहले ही रोगों का कारण बताया था। शांत स्थान पर, उचित समय पर, आत्म-परीक्षण के साथ भोजन करने की सीख आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। विडंबना यह है कि जिस देश में इतनी स्पष्ट आहार-दृष्टि उपलब्ध है, वहीं आधुनिक नीति निर्माण में भोजन को केवल बाज़ार का विषय बना दिया गया है, स्वास्थ्य और संस्कृति का नहीं। अब समय आ गया है कि फास्ट फूड को केवल व्यक्तिगत पसंद कहकर पल्ला न झाड़ा जाए। यह एक नीति-स्तरीय मुद्दा है। बच्चों को लक्षित जंक फूड विज्ञापनों पर सख्त नियंत्रण, स्कूलों के आसपास फास्ट फूड बिक्री पर नियमन, स्पष्ट पोषण चेतावनियाँ, और जन-जागरुकता अभियानों को अनिवार्य बनाना—ये सब विकल्प नहीं, आवश्यकता हैं। मुरादाबाद की वह किशोरी किसी एक परिवार की निजी त्रासदी नहीं, बल्कि उस सामाजिक व्यवस्था का परिणाम है जिसने स्वाद को स्वास्थ्य से ऊपर रखा। यदि हमने इसे आज भी केवल एक खबर मानकर भुला दिया, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य होंगी। यह चेतावनी नहीं, बल्कि नीति, सोच और भोजन-दृष्टि बदलने का एक अहम अवसर है।

(लेखिका, डेंटल सर्जन और स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

राजकोट में ध्रुव जुरेल का तूफान, विजय हजारे ट्रॉफी में जड़ा पहला लिस्ट-ए शतक

एजेंसी

राजकोट। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के मुकाबले में उत्तर प्रदेश की ओर से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। बारोदा के खिलाफ खेले गए इस मैच में जुरेल ने अपने करियर का पहला लिस्ट-ए शतक जड़ दिया। नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने उतरे 24 वर्षीय जुरेल ने महज 78 गेंदों में शतक पूरा किया और अंत तक नाबाद 160 रन बनाकर लौटे। उनकी इस विस्फोटक पारी की बदौलत उत्तर प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 369 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जुरेल ने बारोदा के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने अपनी पारी में 15 चौके और 8 छक्के लगाए। खासतौर पर तेज गेंदबाज रसीख सलाम के खिलाफ जुरेल बेहद आक्रामक नजर आए और उनसे सिर्फ 14 गेंदों में 55 रन बटोर डाले। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में ध्रुव जुरेल का यह प्रदर्शन लगातार तीसरा प्रभावशाली रहा। इससे पहले उन्होंने शुरुआती दो मुकाबलों में हैदराबाद और चंडीगढ़ के खिलाफ अर्धशतक जमाए थे और अब शतक लगाकर अपने शानदार फॉर्म पर मुहर लगा दी है। ध्रुव जुरेल हाल ही में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें वहां खेलने का मौका नहीं मिल सका था।

ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने दिया खेल का अद्भुत डेमोंस्ट्रेशन

मुरादाबाद। लाजपत नगर स्थित थापा ताइक्वांडो एकेडमी में चतुर्थ वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि शशिमोहन रस्तोगी व जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज अली द्वारा किया गया। थापा ताइक्वांडो एकेडमी के खिलाड़ियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए व ताइक्वांडो खेल का अद्भुत डेमोंस्ट्रेशन दिया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी थापा ताइक्वांडो एकेडमी के होनहार खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। जिसमें झलक गुप्ता, पलक शर्मा, आदित्य सिंह और ऋद्धिता सैनी को इस वर्ष के सबसे ज्यादा पदक विजेता होने पर प्रोत्साहन दिया गया। जबकि आदित्य सिंह को इस वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होने पर ट्रॉफी व उपहार देकर सम्मानित किया गया। इसी के साथ सहायक कोच में प्रियांशु रस्तोगी, वैष्णवी शर्मा, हाकिमिन हसीब व यशोदा थापा को भी उपहार देकर सम्मानित किया। थापा ताइक्वांडो एकेडमी के कोच केशव थापा ने बताया कि थापा ताइक्वांडो एकेडमी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए हर वर्ष यह कार्यक्रम आयोजित करता है, जो खिलाड़ियों का अधिकार है। आगे भी इसी तरह कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे। इस अवसर पर अभिभावकों सहित अन्य खिलाड़ी उपस्थित रहे।

एकलव्य कप ताइक्वांडो चैंपियनशिप में मुरादाबाद के खिलाड़ियों ने मचाया धमाल

मुरादाबाद। हरिद्वार में 27 व 28 दिसम्बर को आयोजित हुई चतुर्थ एकलव्य कप ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में मुरादाबाद की ताइक्वांडो अकेडमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मुरादाबाद की आरबीए ताइक्वांडो अकेडमी, खान ताइक्वांडो अकेडमी, रियल वॉरियर ताइक्वांडो अकेडमी और शिशु वाटिका अकेडमी ने मिलकर 6 स्वर्ण, 2 रजत, और 4 कांस्य पदक जीतकर अपना दबदबा बनाया और मुरादाबाद का नाम रोशन किया। हेड कोच तकी इमाम ने बताया कि एकलव्य कप ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में मुरादाबाद की शिवानी पाल, कार्तिक, शिवा राणा, दिव्यांशी रघुवंशी, आदित्य व प्रिया लोधी स्वर्ण पदक जीता। साकिब पाशा व आदर्श ठाकुर रजत पदक जीता, मनीष, दक्ष, सैयद मो हाशमी व अमन कांस्य पदक जीता। यह सभी विजेता खिलाडी 28 दिसंबर रात्रि मुरादाबाद पहुंच गए थे। इन सभी का आज एकेडमी में स्वागत अभिनंदन किया गया। हेड कोच तकी इमाम द्वारा विजेताओं खिलाड़ियों और मुरादाबाद के कोच अमन, नोमान, वासित, मोहसिन को बधाई दी ।

आईसीसी ने एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट के लिए तैयार मेलबर्न पिच को 'असंतोषजनक' करार दिया

नई दिल्ली। एशेज 2025-26 सीरीज के चौथे टेस्ट के लिए मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) की पिच को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 'असंतोषजनक' रेटिंग दी है। इस पिच को लेकर क्रिकेट विशेषज्ञों और पूर्व खिलाड़ियों ने भी कड़ी आलोचना की थी। बॉक्सिंग डे टेस्ट महज़ दो दिनों के भीतर समाप्त हो गया, जिसमें इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराया। यह पिछले 15 वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पहली टेस्ट जीत रही। हालांकि, इस हार के बावजूद ऑस्ट्रेलिया सीरीज़ में 3-1 से आगे है। आईसीसी की चार-स्तरीय पिच रेटिंग प्रणाली में 'असंतोषजनक' तीसरी श्रेणी मानी जाती है। आईसीसी के अनुसार, इस श्रेणी की पिच वह होती है जो बल्ले और गेंद के बीच संतुलित मुकाबला नहीं होने देती, और गेंदबाज़ों को जरूरत से ज्यादा मदद देती है, जिससे सीम या स्पिन दोनों के लिए अत्यधिक विकेट लेने के मौके बनते हैं।

मेलबर्न के बाद सिडनी में भी छाप छोड़ने को तैयार जैकब बेथेल, नंबर-3 स्थान पक्का करने पर नजर

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही एशेज सीरीज अब समाप्ती की ओर पहुंच चुकी है। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में चार मुकाबले खेले जा चुके हैं, जहां ऑस्ट्रेलिया 3-1 की विजयी बढ़त के साथ आगे है। शुरुआती तीन टेस्ट अपने नाम करने के बाद मेजबान टीम का दबदबा दिखा, लेकिन मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में इंग्लैंड ने महज दो दिनों में जीत दर्ज कर जोरदार वापसी की और मुकाबले में रोमांच भर दिया। अब सारी निगाहें 4 जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट पर टिकी हैं। इस मैच को लेकर इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। मेलबर्न में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाले बेथेल अब सिडनी में भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दमदार पारी

खेलकर टेस्ट टीम में नंबर तीन की जगह पक्की करना चाहते हैं।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए बॉक्सिंग डे टेस्ट में इंग्लैंड की चार विकेट की ऐतिहासिक जीत में बेथेल की अहम भूमिका रही थी। मैच की आखिरी पारी में उन्होंने दबाव भरे माहौल में संयम और परिपक्वता दिखाते हुए कीमती 40 रन बनाए और टीम को जीत दिलाने में मदद की। यह एशेज सीरीज में बेथेल का पहला मौका था, क्योंकि शुरुआती तीन टेस्ट के लिए मुख्य खिलाड़ी ओली पोप को प्राथमिकता दी गई थी, जिनमें इंग्लैंड अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। इसके बाद चौथे टेस्ट में बेथेल को मौका मिला और उन्होंने इस अवसर को दोनों हाथों से भुनाया। अब 4 जनवरी से सिडनी में शुरू हो रहे सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट में भी उनके खेलने की प्रबल संभावना है। आईसीसी के अनुसार बेथेल ने नंबर-3 स्थान को लेकर कहा, 'मुझे नंबर तीन पर बल्लेबाजी करना पसंद है। जब गेंद नई होती है तो कुछ हालात में मूवमेंट मिलता है, लेकिन कई बार रन बनाने के भी अच्छे मौके होते हैं, क्योंकि गेंदबाज विकेट लेने की कोशिश करते हैं और फील्ड आक्रामक होती है, जिससे गैप मिलते हैं।' उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस स्थान को पूरी तरह अपना बनाने के लिए अभी उन्हें और मेहनत करनी होगी।

छठी ओपन स्टेट ब्वॉयज एंड गर्ल्स ताइक्वांडो में स्टेट चैम्पियन बने मुरादाबाद के संयम अग्रवाल

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन आगरा द्वारा आयोजित छठी ओपन स्टेट ब्वॉयज एंड गर्ल्स ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2025 उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद की आलोक ताइक्वांडो एसोसिएशन के संयम अग्रवाल स्टेट चैम्पियन बने हैं। ताइक्वांडो एसोसिएशन चैम्पियनशिप 27 से 29 दिसम्बर तक एजीए जॉन मिल्टन पब्लिक स्कूल, नेहरू एन्क्लेव, शमशाबाद रोड, आगरा में आयोजित हुई थी। मुरादाबाद की आलोक ताइक्वांडो एसोसिएशन के पवन अग्रवाल ने बताया कि स्टेट ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2025 उत्तर प्रदेश में आलोक ताइक्वांडो एसोसिएशन के स्टेट चैम्पियन बने संयम अग्रवाल ने कैडेट ब्वॉयज अंडर 53 किग्रा में मेडल जीता, उत्कर्ष गोयल सीनियर ब्वॉयज अंडर 54 किग्रा में मेडल जीता, आरवी बरनवाल ने सब जूनियर फ्रेशर अंडर किग्रा में मेडल जीता।

वीमेंस हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26: श्राची बंगाल टाइगर्स ने जीत से किया अभियान का आगाज

एजेंसी

रांची। श्राची बंगाल टाइगर्स ने वीमेंस हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 सीजन की शुरुआत शानदार जीत के साथ की। टीम ने रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में खेले गए अपने पहले मुकाबले में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल पहले क्वार्टर में अर्जेंटीना की स्टार खिलाड़ी अगुस्टिना गोरजेलानी ने 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दमदार ड्रैग फ्लिक के जरिए दागा। इसके बाद पूरे मैच में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन श्राची बंगाल टाइगर्स की मजबूत डिफेंस को भेदने में नाकाम रही।

शुरुआत में दोनों टीमों के बीच मिडफील्ड में कड़ी टक्कर देखने को मिली। धीरे-धीरे सूरमा क्लब ने दबाव बनाया और लगातार सर्कल में एंट्री ली, हालांकि वे मौके को गोल में नहीं बदल सके। दूसरी ओर, टाइगर्स ने मौके का फायदा उठाते हुए पेनल्टी सफलता नहीं मिलने दी। अंतिम क्वार्टर में भी सूरमा ने बराबरी की पूरी कोशिश की, लेकिन टाइगर्स ने

कॉर्नर हासिल किया, जिसे गोरजेलानी ने गोल में तब्दील कर बढ़त दिलाई। दूसरे और तीसरे क्वार्टर में सूरमा क्लब ने कई पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए, लेकिन श्राची की डिफेंस और गोलकीपिंग ने उन्हें संयमित खेल दिखाते हुए बढ़त बरकरार रखी। आखिरी मिनटों में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर भी सूरमा गोल नहीं कर सकी और श्राची बंगाल टाइगर्स ने 1-0 से जीत दर्ज कर सीजन का शानदार आगाज किया।

मीडिया क्रिकेट: ईश्वरदेव मिश्र एकादश की शानदार जीत, अभिषेक बने-मैन ऑफ द मैच

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी सिगरा स्थित डॉ? सम्पूर्णानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 38वीं कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिता के एक रोमांचक मुकाबले में ईश्वरदेव मिश्र एकादश ने शानदार जीत दर्ज की। टीम ने विद्या भास्कर एकादश को आठ विकेट से हरा दिया। बेहतरीन बल्लेबाजी प्रदर्शन के लिए अभिषेक को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने उतरी ईश्वरदेव मिश्र एकादश के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी की। विद्या भास्कर ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट खोकर 135 रन बनाए। टीम की ओर से विनय सिंह ने सर्वाधिक 29 रनों की पारी खेली, जबकि ओ.पी. सिंह और राहुल सिंह ने 22–22 और राज कुमार ने 19 रनों का योगदान दिया। ईश्वरदेव मिश्र की ओर से पंकज सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने चार ओवर में 21 रन देकर तीन महत्वपूर्ण विकेट झटके। शिवम ने भी सधी हुई गेंदबाजी करते हुए दो विकेट अपने नाम किए। 136

रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ईश्वरदेव मिश्र एकादश की शुरुआत जबरदस्त रही। सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट लगाते हुए मात्र 42 गेंदों में नाबाद 58 रन बनाए।

उनके इस आक्रामक प्रदर्शन ने मैच को एकतरफा कर दिया। काशीनाथ ने भी 50 रनों की उपयोगी पारी खेली। टीम ने मात्र 14.4 ओवरों में 2 विकेट खोकर 138 रन बना लिए और 8 विकेट से जीत सुनिश्चित की। विद्या भास्कर एकादश की ओर से ओ.पी. सिंह को ही एकमात्र सफलता (विकेट) मिल सकी। अम्पायर की भूमिका आर.पी. गुप्ता और मनोहर लाल ने निभाई, जबकि स्कोरिंग विपिन कुमार ने की। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि एक निजी स्कूल के चेयरमैन दीपक बजाज और विशिष्ट अतिथि सहायक निबन्धक सोसाइटी एंड चिट अनूप मिश्रा रहे। खेल संयोजक कृष्ण बहादुर रावत के अनुसार प्रतियोगिता में रन रेट के आधार पर पराड़कर एकादश की टीम फाइनल में पहुंच गई है।

नौनिहाल, भानु प्रताप, ईश्वर शरण और फाफामऊ क्लब सेमीफाइनल में

एजेंसी

प्रयागराज। चौधरी नौनिहाल सिंह क्लब, भानु प्रताप सिंह क्लब, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज और फाफामऊ क्लब ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर महापौर क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बना ली। चौधरी नौनिहाल क्लब के मनु राजा और भानु प्रताप सिंह क्लब के सुब्रत तिवारी ने हरफनमौला खेल दिखाया।

गवर्नमेंट प्रेस मैदान पर खेले गए मैच में चौधरी नौनिहाल सिंह क्लब ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 184 रन (मनु राजा 45 नाबाद, विशाल यादव 42, प्रथम मिश्र 22, तेजस्व मिश्र 19, देवांश पाठक 17, अभिनय मिश्र 3-33, संदीप पटेल 2-32, अर्जुन दुबे व अमितेश शुक्ल एक एक विकेट) बनाकर आशीष नेहरा क्लब को 19.5 ओवर में 161 रन (अखिल तिवारी 29, प्रिंगल अवस्थी 25, अर्जुन दुबे 24, अभिनय मिश्र 22, अमितेश शुक्ल 20, मनु राजा 4-27, आदित्य यादव 332 अभिनव

मनु राजा सुब्रत प्रसाद तिवारी

तिवारी व प्रथम मिश्र एक-एक विकेट) पर समेट दिया।

दूसरे मैच में भानु प्रताप सिंह क्लब ने 16 ओवर में 8 विकेट पर 118 रन (सुब्रत प्रसाद तिवारी 50 नाबाद, विभव कुशवाहा 23, दिव्यांशु यादव 18, मोहम्मद अंशी 3-13, रविंद्र आनंद 2-36, प्रखर मालवीय, शुभम सोनकर व सुहैब खान एक-एक विकेट) बनाए। जवाब में नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्लब की टीम 16 ओवर में 94 रन (सुहैब खान 45, रविंद्र आनंद व अनुराग कुमार 11-11, सुब्रत प्रसाद तिवारी 3-22, दिव्यांश यादव 2-11, अखिल कुमार कश्यप 2-17, अमन मिश्रा 1-19) पर सिमट गई। दोनों मैच में शिशिर मेहरोत्रा व मोहम्मद आरिफ अम्पायर एवं खुर्शीद अहमद स्कोरर रहे। मैच से पहले महापौर गणेश केसरवानी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

खेलगांव मैदान पर प्रयाग क्लब की टीम 14.5 ओवर में 54 रन (अब्दुल अज़ीज़ 11, सक्षम अवस्थी 3-17, अभिषेक पांडेय 3-08, आदर्श मिश्र, राहुल राजपाल, अजय यादव व रुद्राक्ष सिंह एक-एक विकेट) पर सिमटी। जवाब में ईश्वर कर डिग्री कॉलेज ने 11 ओवर में तीन विकेट 55 रन (रुद्रांश सिंह 14 नाबाद, राहुल राजपाल 14, विद्यांश 2-11, अशर 1-07) बना लिए। दूसरे मैच में खेलगांव पब्लिक स्कूल ने 15 ओवर में 7 विकेट पर 145 रन (अभिषेक सिंह 43, अनुज सिंह परिहार 34, सौरभ प्रताप सिंह 29 नाबाद, आदित्य प्रजापति 3-19, विराट गुप्ता, अभिनव सिंह व अरमान यादव एक-एक विकेट) बनाए। जवाब में खेलगांव पब्लिक स्कूल की टीम 15 ओवर में छह विकेट पर 106 रन (जयेश यादव 39, हर्षित सहाय 27, उर्जित द्विवेदी 18 नाबाद, दीपक यादव 3-10, अनूज सिंह परिहार व अभिषेक सिंह एक-एक विकेट) ही बना सकी। दोनों मैच में हितेश श्रीवास्तव व अरुण कुमार अम्पायर एवं आशीष भारतीय स्कोरर रहे।

तबाता एक्स नो लुक और एचएस-तबाता9 बने हरीश शर्मा 3×3 ऑल इंडिया बास्केटबॉल चैंपियनशिप के विजेता

एजेंसी

नई दिल्ली। हरीश शर्मा 3×3 ऑल इंडिया बास्केटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबलों में जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। महिला वर्ग के खिताबी मुकाबले में तबाता एक्स नो लुक टीम ने कड़े संघर्ष में एली ऊप को 16-14 से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की। पुरुष वर्ग के फाइनल में एचएस-तबाता9 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट को 21-15 से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गए दोनों फाइनल मुकाबले तेज रफ्तार, आक्रामक खेल और बेहतरीन टीमवर्क के गवाह बने। अंतिम पलों तक चले मुकाबलों में 3×3 बास्केटबॉल फॉर्मेट का रोमांच साफ तौर पर देखने को मिला, जिससे दर्शक भी उत्साहित नजर आए। चैंपियनशिप का औपचारिक समापन हुआ, जिसमें दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सुद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि 3×3 बास्केटबॉल भविष्य का फॉर्मेट है और ऐसे आयोजन युवाओं को आगे बढ़ने का मंच देते हैं।आयोजन समिति की अध्यक्ष रूपम हरीश शर्मा ने कहा कि यह प्रतियोगिता दिवंगत हरीश शर्मा की खेल विरासत को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। आयोजन समिति के सह-अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने खिलाड़ियों के जोश और प्रतिस्पर्धात्मक भावना की सराहना की। दिल्ली बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश कालिया ने कहा कि यह चैंपियनशिप दिवंगत हरीश शर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि है और देशभर से आए खिलाड़ियों ने उच्च स्तर का प्रदर्शन किया।

प्रबल सिंह ने दो दिवसीय स्टेट रैपिड रेटेड ओपन शतरंज प्रतियोगिता में छठा स्थान पाया

एजेंसी

पश्चिम चंपारण । बगहा के लाल प्रबल सिंह ने दो दिवसीय स्टेट रैपिड रेटेड ओपन शतरंज प्रतियोगिता में छठा स्थान हासिल कर बगहा का नाम रौशन किया। जानकारी हो कि विगत 27- 28 दिसंबर 2025 को मुजफ्फरपुर में आयोजित दो दिवसीय स्टेट रैपिड रेटेड ओपन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन आदर्श छात्रावास मुजफ्फरपुर में किया गया ,जिसमें बिहार प्रदेश के सभी उम्र के सीनियर जूनियर खिलाड़ियों ने भाग लिया,जिसमें बगहा बाजार के वार्ड नं0 25 गोड़िया पट्टी निवासी प्रेम शंकर सिंह के 13 वर्षीय पुत्र प्रबल सिंह ने भाग लेकर अपने सभी सीनियर जूनियर खिलाड़ियों को मात देते हुए 9 पॉइंट में से 7 पॉइंट बनाकर छठा रैंक हासिल कर बगहा का नाम पूरे प्रदेश में गौरवान्वित किया। आयोजक मण्डल

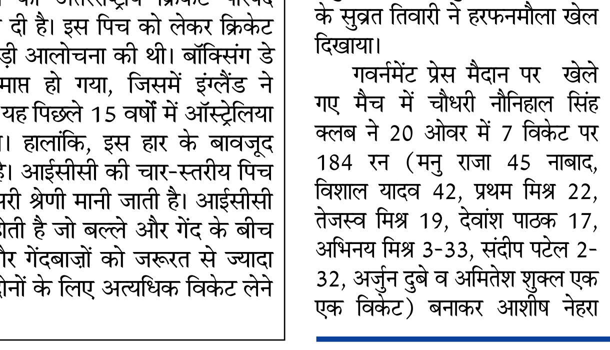

द्वारा प्रबल सिंह को मैडल तथा प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। इतनी छोटी उम्र में प्रदेश के अलावा भी विदेश में भी प्रबल सिंह ने कई खिताब हासिल कर बगहा का नाम रौशन किया। इस बच्चे की प्रतिभा को देखते हुए बगहा पुलिस जिला के प्रबुद्ध जनों ने सरकार से इसे प्रोत्साहित कर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने की मांग की है। प्रबल सिंह के प्रशिक्षक शाहिद हुसैन जो चंपारण चेस अकादमी के प्रशिक्षक हैं उनका कहना है कि इस बच्चे की प्रतिभा को देखते हुए अगर सरकार प्रोत्साहित कर आगे बढाये तो यह बच्चा भविष्य में एक दिन निश्चित रूप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई खिताब को हासिल करते हुए अपने देश के लिए खेलते हुए गोल्ड मेडल हासिल करने का भी दावेदार बन सकता है। इसके इस दावेदारी से जिला, प्रदेश तथा देश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकेगा।

चंपारण शतरंज अकादमी के निदेशक नवीन जायसवाल,मुख्य संरक्षक डॉक्टर मोहम्मद गुलजार,संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन,धर्मशंकर सिंह,मनीष कुमार, उमेश यादव आदि खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं और बधाइयां दी है।

बीसीसीआई अंडर 15 प्रतियोगिता : हिमाचल की टीम घोषित, अंशिका को टीम की कमान

एजेंसी

धर्मशाला। बीसीसीआई वुमन अंडर-15 (वनडे) एलीट टूर्नामेंट 2025-26 के लिए हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट का आयोजन त्रिवेंद्रम में किया जाएगा। एचपीसीए सचिव मनुज शर्मा ने बताया कि 17 सदस्यीय टीम की कमान अंशिका सिंह सानी को सौंपी गई है। चयनित टीम में कैप्टन अंशिका सिंह सानी, अर्शिया रतन, अनिष्का मिनोचा, रिजुल सरोच, नव्या नहाटा, मृदुल ठाकुर, वंशिका, वंशिका ठाकुर, लावण्य साहनी, मन्नत कौर, भूमिका नाल्वा, सांची सिंह देरटा, वंशिका चौहान, रिया शर्मा, रूपल ठाकुर, युक्ति कुमारी व आराध्या ठाकुर शामिल हैं। इसके अलावा स्पोर्टिंग स्टाफ में वरुण शर्मा मुख्य कोच, वरुण कुमार असिस्टेंट कोच, फिजियो जानवी अरोड़ा, वीडियो एनालिस्ट अभिषेक ठाकुर तथा मैनेजर शिव कपूर को शामिल किया गया है।

पहले मैच में तमिलनाडू से भिड़ेगी एचपीसीए की टीम

एचपीसीए अंडर-15 टीम त्रिवेंद्रम में 2 जनवरी को तमिलनाडू, 4 जनवरी को बिहार, 6 जनवरी को बंगाल, 8 जनवरी को महाराष्ट्र और 10 जनवरी को मध्य प्रदेश के खिलाफ मैदान में उतरेगी। एचपीसीए के सचिव मनुज शर्मा ने चयनित टीम को शुभकामनाएं देते हुए टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

एशेज सीरीज का सिडनी टेस्ट खेलेंगे उस्मान ख्वाजा, ऑस्ट्रेलियाई कोच ने लगाया अटकलों पर विराम

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच और चयनकर्ता एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि अनुभवी बल्लेबाज़ उस्मान ख्वाजा इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में खेलेंगे और यह उनका आखिरी टेस्ट मैच नहीं होगा। हाल के दिनों में मीडिया में यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि सिडनी टेस्ट ख्वाजा का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच हो सकता है।

39 वर्षीय ख्वाजा मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम के सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी हैं। टीम में बदलाव और भविष्य की योजनाओं को देखते हुए हाल के मैचों में उनका बल्लेबाजी क्रम बदला गया, जिसके बाद उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लगे थे। ट्रैविस हेड को ओपनर बनाए जाने के बाद ख्वाजा ने तीसरे एडिलेड टेस्ट में नंबर-4 और मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में नंबर-5 पर बल्लेबाज़ी की। हालांकि, एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने इन सभी अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने ख्वाजा के भविष्य को लेकर उनसे कोई बातचीत नहीं की है। मैकडोनाल्ड ने मेलबर्न में मीडिया से कहा, 'मेरी तरफ से ऐसा कोई संकेत नहीं है कि वह सिडनी में अपना करियर खत्म करने जा रहे हैं। इस कैलेंडर वर्ष में उनका प्रदर्शन चयन के योग्य रहा है, इसलिए वह सिडनी टेस्ट में खेलेंगे।

अनुभव और युवा जोश के साथ मैदान में उतरेंगी एचआईएल जीसी और कलिंगा लांसर्स की टीमें

नई दिल्ली। पुरुषों की हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) एक बार फिर रोमांचक सीज़न के साथ वापसी कर रही है। आगामी 2026 सत्र से पहले एचआईएल गवर्निंग काउंसिल टीम (एचआईएल जीसी) और वेदांता कलिंगा लांसर्स अपनी-अपनी मजबूत टीम संरचना के दम पर प्लेऑफ में जगह बनाने की कोशिश करेंगी। दोनों टीमों के पास अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ युवा भारतीय प्रतिभाओं का बेहतरीन मिश्रण मौजूद है। 2026 सीज़न से पहले एचआईएल गवर्निंग काउंसिल ने यूपी रुद्रास फ्रेंचाइज़ी से संचालन अपने हाथ में लिया है, ताकि खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए निरंतरता बनी रहे। टीम अपना अभियान 5 जनवरी को एसजी पाइपर्स के खिलाफ शुरू करेगी।

टीम की कमान हार्दिक सिंह के हाथों में होगी। गोलकीपिंग विभाग में इंग्लैंड के जेम्स मज़ारेलो और भारत के प्रशांत कुमार चौहान जैसे भरोसेमंद विकल्प मौजूद हैं। डिफेंस में भारत के अनुभवी सुरेंद्र कुमार (178 अंतरराष्ट्रीय मैच) और न्यूज़ीलैंड के केन रसेल (200 से अधिक सीनियर कैप्स) अहम भूमिका निभाएंगे। इनके अलावा ग्रेट ब्रिटेन के जेम्स अल्बेरी, भारत के प्रसांत बर्ला, जसजीत सिंह कुलार, मोहम्मद हारिस और तालेम प्रियबर्ता बैकलाइन को मजबूती देंगे। मिडफील्ड में कप्तान हार्दिक सिंह के साथ मनमीत सिंह टीम की धुरी होंगे, जिन्होंने हाल ही में भारत में खेले गए एफआईएच हॉकी मेन्स जूनियर वर्ल्ड कप में छह गोल किए थे। इनके साथ राहुल यादव और आयरलैंड के अनुभवी मिडफील्डर डैराघ वॉल्श भी मौजूद रहेंगे। आक्रमण पंक्ति में भारत के ललित कुमार उपाध्याय (67 अंतरराष्ट्रीय गोल) और ग्रेट ब्रिटेन के सैम वॉर्ड (216 अंतरराष्ट्रीय गोल) सबसे बड़े हथियार होंगे। इनके अलावा गुरजोत सिंह, सुदीप चिरमाको, अजीत यादव, बेल्जियम के तांगुई कोसिंस और न्यूज़ीलैंड के साइमन यॉर्स्टन टीम के आक्रमण को और धार देंगे। वेदांता कलिंगा लांसर्स पिछले सीज़न में छठे स्थान पर रही थी और इस बार टीम मजबूत डिफेंस के दम पर बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य लेकर उतरेगी। गोलपोस्ट की जिम्मेदारी भारत के नंबर-1 गोलकीपर कृष्णन बी पाठक और ऑस्ट्रेलिया के जेड स्नोडन संभालेंगे। डिफेंस में बेल्जियम की स्टार तिकड़ी–आर्थर वैन डोरेन (सह-कप्तान), अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स और एंटोनी कीना–टीम की सबसे बड़ी ताकत होगी। इनके साथ भारत के संजय (सह-कप्तान) अपने नेतृत्व और ड्रैगफ्लिकिंग कौशल से टीम को दिशा देंगे। सुनील पीबी, प्रताप लकड़ा और रोहित कुल्लू भी डिफेंस को और मजबूत करेंगे। मिडफील्ड में ऑस्ट्रेलिया के युवा खिलाड़ी लियाम हेंडरसन और क्रेग माराइस के साथ भारत के रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, अमित कुमार टोप्पो और रोसन कुजूर टीम को संतुलन देंगे। फॉरवर्ड लाइन में भारत के दिलप्रीत सिंह, बॉबी सिंह धामी, अंगद बीर सिंह और गुरसाहिबजीत सिंह के साथ ऑस्ट्रेलिया के कूपर बर्न्स टीम की आक्रमण शक्ति बढ़ाएंगे। वेदांता कलिंगा लांसर्स अपना पहला मुकाबला 4 जनवरी 2026 को रांची रॉयल्स के खिलाफ चेन्नई में खेलेगी। जेम्स मज़ारेलो (ग्रेट ब्रिटेन), प्रशांत कुमार चौहान, जेम्स अल्बेरी (ग्रेट ब्रिटेन), जसजीत सिंह कुलार, मोहम्मद हारिस, सुरेंद्र कुमार, केन रसेल (न्यूज़ीलैंड), प्रसांत बर्ला, तालेम प्रियबर्ता, हार्दिक सिंह, मनमीत सिंह, राहुल यादव, डैराघ वॉल्श (आयरलैंड), साइमन यॉर्स्टन (न्यूज़ीलैंड), अजीत यादव, सुदीप चिरमाको, सैम वॉर्ड (ग्रेट ब्रिटेन), तांगुई कोसिंस (बेल्जियम), गुरजोत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय। जेड स्नोडन (ऑस्ट्रेलिया), कृष्णन बी पाठक, सुनील पीबी, एंटोनी कीना (बेल्जियम), प्रताप लकड़ा, आर्थर वैन डोरेन (बेल्जियम), रोहित कुल्लू, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स (बेल्जियम), संजय, क्रेग माराइस (ऑस्ट्रेलिया), रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, अमित कुमार टोप्पो, लियाम हेंडरसन (ऑस्ट्रेलिया), रोसन कुजूर, गुरसाहिबजीत सिंह, कूपर बर्न्स (ऑस्ट्रेलिया), अंगद बीर सिंह, दीपक प्रधान, दिलप्रीत सिंह, बॉबी सिंह धामी।

चावल, चीनी, दालें मजबूत; गेहूं, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये। चीनी और दालों में भी तेजी देखी गयी जबकि गेहूं के दाम टूट गये। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 106 रुपये बढ़कर 3,851 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 22 रुपये सस्ता हुआ और 2,854 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा भी 30 रुपये टूट गया। दाल-दलहनों में चना दाल औसतन 161 रुपये और तुअर दाल 165 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल 133 रुपये मजबूत हुई। मूंग दाल 92 रुपये और उड़द दाल 44 रुपये प्रति क्विंटल चढी। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा 40 रिंगिट की गिरावट के साथ 4049 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.30 प्रतिशत टूटकर 49.05 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 63 रुपये, सोया तेल की 53 रुपये और सरसों तेल की 52 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। वनस्पति का भाव 110 रुपये, मूंगफली तेल का 84 रुपये और सूरजमुखी तेल का 24 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव में 43 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। चीनी की कीमत भी 11 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।

शेयर बाजारों में चौतरफा बिकवाली, ऑटो, आईटी कंपनियों के शेयर टूटे

मुंबई। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही और प्रमुख सूचकांक लगभग डेढ़ सप्ताह के निचले स्तर पर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 345.91 अंक (0.41 प्रतिशत) टूटकर 84,695.54 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स लगातार चौथे कारोबार दिवस पर लाल निशान में बंद हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 100.20 अंक यानी 0.38 प्रतिशत गिरकर 25,942.10 अंक पर आ गया। यह दोनों सूचकांकों का 18 दिसंबर के बाद का निचला स्तर है। सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी, लेकिन खुलते ही दोनों प्रमुख सूचकांक हरे निशान में चले गए। हालांकि कुछ ही देर बाद वे एक बार फिर गिरावट में आ गये। मझौली और छोटी कंपनियों पर ज्यादा दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.50 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.72 प्रतिशत टूट गया। ऑटो, आईटी, रियलिटी, स्वास्थ्य और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में ज्यादा गिरावट रही। मीडिया, एफएमसीजी और सार्वजनिक बैंकों के सूचकांकों में तेजी दर्ज की गयी। एनएसई में कुल 3,294 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 2,185 के शेयरों में गिरावट और 1,022 में बढ़त रही। अन्य 87 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे।

रुपया आठ पैसे कमजोर

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया आठ पैसे टूटा और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.9825 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा लगातार तीसरे दिन कमजोर हुई है। पिछले कारोबारी दिवस पर यह 19 पैसे गिरकर 89.90 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया आज शुरू से ही दबाव में रहा। यह पांच पैसे नीचे 89.95 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और ऊपर 89.89 रुपये तथा नीचे 89.99 रुपये प्रति डॉलर पर गया। अंत में 89.9825 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार से पैसे निकालने और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में तेजी से रुपये पर दबाव रहा।

विनिर्माण क्षेत्र के जबरदस्त प्रदर्शन से नवंबर में 6.7 प्रतिशत बढ़ा औद्योगिक उत्पादन

नई दिल्ली। विनिर्माण क्षेत्र में आठ फीसदी की जबरदस्त तेजी के दम पर नवंबर में सालाना आधार पर देश का औद्योगिक उत्पादन 6.68 प्रतिशत बढ़ा। यह औद्योगिक उत्पादन और विनिर्माण क्षेत्र में अक्टूबर 2023 के बाद 25 महीने की सबसे ज्यादा वृद्धि दर है। अक्टूबर 2023 में औद्योगिक उत्पादन 11.89 फीसदी बढ़ा था। इससे पहले अक्टूबर 2025 में औद्योगिक उत्पादन 0.40 प्रतिशत और पिछले साल नवंबर में 4.96 प्रतिशत बढ़ा था। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में खनन क्षेत्र की वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रही जबकि बिजली उत्पादन में एक साल पहले की तुलना में 1.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में अप्रैल से नवंबर तक औद्योगिक उत्पादन में 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन जहां 4.4 प्रतिशत बढ़ा, वहीं खनन क्षेत्र के उत्पादन में 0.9 फीसदी और बिजली उत्पादन में 0.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में सबसे अधिक योगदान देने वाले तीन क्षेत्रों में मोटर वाहन, ट्रेलर एवं सेमी ट्रेलर का उत्पादन (11.9 प्रतिशत), फार्माशूटिकल, औषधीय रसायन एवं बोटैनिकल उत्पाद (10.5 प्रतिशत) और बुनियादी धातुओं का उत्पादन (10.2 प्रतिशत) शामिल हैं। उपयोग के आधार पर प्राथमिक वस्तुओं का उत्पादन दो प्रतिशत, पूंजीगत वस्तुओं का 10.4 प्रतिशत, मध्यवर्ती वस्तुओं का 7.3 प्रतिशत, निर्माण में काम आने वाली सामग्रियों का 12.1 प्रतिशत, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों का 10.3 प्रतिशत और गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का 7.3 प्रतिशत बढ़ा।

मुथूट माइक्रोफिन का व्यक्तिगत ऋण एयूएम 1,000 करोड़ के पार

एजेंसी

मुंबई। मुथूट समूह की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-सूक्ष्म वित्त संस्थान (एनबीएफसी-एमएफआई) मुथूट माइक्रोफिन का व्यक्तिगत ऋण पोर्टफोलियो एयूएम 1,000 करोड़ रुपये को पार कर चुका है। कंपनी ने बताया कि कंपनी का कुल एयूएम (प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति) अब 13,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

व्यक्तिगत ऋण पोर्टफोलियो कंपनी के मुख्य माइक्रोफाइनेंस परिचालन का पूरक है। मुथूट माइक्रोफिन के पास 30 सितंबर 2025 तक 33.6 लाख सक्रिय ग्राहक थे, जिन्हें 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और 392 जिलों में फैली 1,718 शाखाओं के नेटवर्क के जरिये सेवा प्रदान की जा रही है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी बाजारों पर कंपनी का विशेष ध्यान है। मुथूट माइक्रोफिन के अध्यक्ष और गैर-कार्यकारी निदेशक, श्री थॉमस मुथूट ने कंपनी की विकास यात्रा के लिहाज से इस उपलब्धि को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा, 'माइक्रोफाइनेंस हमारे व्यवसाय की बुनियाद है, लेकिन व्यक्तिगत ऋण खंड में हमारे विस्तार का लक्ष्य है अपेक्षाकृत अधिक लचीला और संतुलित पोर्टफोलियो बनाना। यह प्रगति जिम्मेदार विकास, मजबूत संचालन और हमारे ग्राहकों तथा हितधारकों को स्थायी मूल्य प्रदान करने के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की प्रतीक है।'

मुथूट माइक्रोफिन के मुख्य कार्यकारी सदफ सईद ने कहा, 'हमारे व्यक्तिगत ऋण पोर्टफोलियो का निरंतर विस्तार मुख्य रूप से केंद्रित निष्पादन और अनुशासित जोखिम प्रबंधन का परिणाम है। इस पोर्टफोलियो का निर्माण अनुशासित क्रेडिट मूल्यांकन और दृढ़ संग्रह प्रक्रियाओं के आधार पर किया गया है, ताकि विस्तार के साथ स्वस्थ प्रदर्शन सुनिश्चित हो। बेहतर व्यावसायिक गति और मजबूत परिचालन ढांचे के साथ हमें भरोसा है कि हम गुणवत्ता-आधारित विकास को बनाये रखेंगे और वित्तीय समावेश का समर्थन करना जारी रखेंगे।'

एयर इंडिया ने नये साल पर महाराजा क्लब के गोल्ड और प्लेटिनम किट में किये बदलाव

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने नये साल के मौके पर अपने गोल्ड और प्लेटिनम किटों में बदलाव की घोषणा की है। एयरलाइन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि जो यात्री गोल्ड और प्लेटिनम स्टेटस के लिए योग्यता हासिल करते हैं उन्हें यात्रा के दौरान ये किट प्रदान किये जाते हैं। महाराजा क्लब प्लेटिनम वेलकम किट में एक लेदर फोलियो, सदस्यता कार्ड, फ्रिज मैगनेट, विशेष तौर पर तैयार दो लगेज टैग, पासपोर्ट होल्डर, विशेष ताश के पत्ते और स्मारक पीतल का मेडल प्रदान किया जायेगा। महाराजा क्लब गोल्ड वेल्कम किट में सदस्यता कार्ड, विशेष तौर पर तैयार दो लगेज टैग और एक्रिलिक टी कोस्टर होगा। महाराजा क्लब में चार स्तर होते हैं - रेड, सिल्वर, गोल्ड और प्लेटिनम। यात्री जितनी यात्रा करते हैं उस हिसाब से उन्हें टीयर प्वाइंट मिलते हैं। कुल 30 हजार टीयर प्वाइंट पर गोल्ड कार्ड और 45 हजार टीयर प्वाइंट पर प्लेटिनम कार्ड मिलता है। स्टार अलायंस में शामिल दूसरी विमान सेवा कंपनियों से यात्रा करने पर भी टीयर प्वाइंट मिलते हैं।

निओलाइट जेडकेडब्ल्यू लाइटिंग्स लायेगी आईपीओ, जुटायेगी 1,200 करोड़ की पूंजी

एजेंसी

नई दिल्ली। वाहनों के लिए लाइटिंग उत्पाद बनाने वाली कंपनी निओलाइट जेडकेडब्ल्यू लाइटिंग्स ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) तथा अन्य माध्यमों से 1,200 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि उसने 600 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए सेबी के पास दस्तावेज जमा कराये हैं। इसके अलावा वह 400 करोड़ रुपये के नये इक्विटी शेयर जारी करेगी। कंपनी के प्रवर्तक 200 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे। इस प्रकार वह कुल 1,200 करोड़ रुपये की पूंजी जुटायेगी। प्रवर्तकों में राजेश जैन 114 करोड़ रुपये, निओक्राफ्ट ग्लोबल 40 करोड़ रुपये और जेडकेडब्ल्यू समूह 46 करोड़ रुपये की अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे।कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि वह आईपीओ से पहले प्राथमिकता के आधार पर 75 करोड़ रुपये की विशिष्ट प्रतिभूति जारी करने पर भी विचार कर सकती है।इस तरह जुटायी

गयी पूंजी का इस्तेमाल तमिलनाडु के कांचीपुरम् में प्रस्तावित नयी विनिर्माण इकाई स्थापित करने (अनुमानित लागत 152.51 करोड़ रुपये), मौजूदा संयंत्रों को अद्यतन बनाने (79.08 करोड़ रपये) और मौजूदा 65 करोड़ रुपये के ऋण के आंशिक या पूरी तरह भुगतान के लिए किया जायेगा। शेष राशि सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल की जायेगी। निओलाइट जेडकेडब्ल्यू के वर्तमान में तीन संयंत्र हैं। हरियाणा के बहादुरगढ़ में दो और महाराष्ट्र के पुणे में एक संयंत्र है। घरेलू वाहन कंपनियों को आपूर्ति के अलावा 50 से अधिक दूसरे देशों में यह निर्यात भी करती है।

निजी क्षेत्र में 12 बाट-माप परीक्षण केंद्रों को सरकारी मान्यता

एजेंसी

नई दिल्ली। देश भर में निजी क्षेत्र की इकाइयां भी अब बाट-माप परीक्षण प्रमाण पत्र जारी कर सकेंगी। इसके लिए सरकार ने इन इकाइयों के 12 केंद्रों को सरकारी मान्यता-प्राप्त परीक्षण केंद्र (जीएटीसी) का लाइसेंस दिया है। उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में बाया कि विधिक माप-तौल विज्ञान (जीएटीसी) नियमावली,2013 में संशोधन के बाद इस क्षेत्र में निजी एजेंसियों को प्रमाणन कार्य के क्षेत्र में प्रवेश दिया गया है। इस क्षेत्र में निजी-सरकारी भागीदारी की जरूरत को देख कर बनाये गये नये नियमों की अधिसूचना 23 अकटूबर, 2025 को जारी की गयी।

नये नियमों में 18 तरह की बाट-माप मशीनों और यंत्रों को रखा गया है। इनमें वॉटर मीटर, एनर्जी मीटर, गैस मीटर फ्लो मीटर, मॉइस्चर मीटर , स्फिग्मोमैनोमीटर और क्लिनिकल थर्मामीटर, ब्रेथ एनालाइज़र और वाहन स्पीड मीटर, मल्टी-डाइमेंशनल मापने

के उपकरण, ऑटोमैटिक रेल वेब्रिज टेप माप, गैर-स्वचालित वजन उपकरण लोड सेल, बीम स्केल, काउंटर मशीनें तथा सभी श्रेणियों के बाट शामिल हैं। संशोधित नियमों की अधिसूचना के बाद, उपभोक्ता मामलों के विभाग ने जीएटीसी की मान्यता के लिए योग्य प्राइवेट संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित करने और प्रोसेस करने के लिए एक खास ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया। आवेदन 30 नवंबर तक खुले थे।

पहली जनवरी से आस्ट्रेलिया भेजी जाने वाली सभी चीजों पर शुल्क शून्य हो जाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत से आस्ट्रेलिया भेजे जाने वाले सभी तरह के माल पर आगामी पहली जनवरी से शून्य- शुल्क दर पर प्रवेश मिलेगा। यह दोनों देशों के बीच हुए व्यापार समझौते के तहत होने जा रहा है। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (भारत-आस्ट्रेलिया एक्टा) की तीसरी सालगिरह के उपलक्ष्य में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, '1 जनवरी 2026 से, भारतीय निर्यात के लिए 100 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई टैरिफ लाइनें (वस्तु श्रेणियां) शून्य-शुल्क वाली होंगी, जिससे (भारत के) श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए नए अवसर खुलेंगे।' यह समझौता दो अप्रैल 2022 को हुआ था और यह 29 दिसंबर 2022 को प्रभाव में आया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस समझौते के बाद दोनों देशों के बीच इस समय व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीका) की बातचीत

प्रगति पर है। भारत का कहना है कि इस समझौते से मेक इन इंडिया और विकसित भारत 2047 के सपने के साथ मिलकर इंडो-पैसिफिक में भारत की आर्थिक भागीदारी को मज़बूती मिल रही है। साथ मिलकर, भारत और ऑस्ट्रेलिया साझा समृद्धि और भरोसेमंद व्यापार का भविष्य बना रहे हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पिछले तीन सालों में, इस समझौते से भारत के निर्यात में वृद्धि, बाज़ार प्रवेश में आसानी और आपूर्ति श्रृंखला में मज़बूती आयी है तथा जिससे भारतीय निर्यातकों, सूक्ष्म, लघु और मझोली इकाइयों , किसानों और मज़दूरों सभी को फायदा हुआ है। मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2024-25 में ऑस्ट्रेलिया को भारत का निर्यात 8 प्रतिशत बढ़ा, जिससे भारत का आस्ट्रेलिया के साथ व्यापार संतुलन बेहतर हुआ है। इससे विनिर्माण , रसायन, कपड़ा, प्लास्टिक, फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोलियम उत्पाद और रत्न और आभूषण क्षेत्रों में मज़बूत बढ़त देखी गई है। यह समझौता कृषि-निर्यात में व्यापक वृद्धि लेकर आया है। इससे वहां भेजे जाने वाले फल और सब्जियों, समुद्री उत्पादों, मसालों में तेज़ी से वृद्धि हुई है। मंत्रालय के अनुसार इससे आस्ट्रेलिया को कॉफी के निर्यात में असाधारण वृद्धि हुई। अप्रैल-नवंबर 2025 में वहां के लिए रत्न और आभूषण निर्यात में भी 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

मंत्रालय ने कहा है कि जैविक उत्पादों पर आपसी मान्यता समझौता (एमआए) पर हस्ताक्षर भारत-आस्ट्रेलिया एक्टा की एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे निर्बाध व्यापार संभव हुआ और निर्यातकों के लिए अनुपालन लागत कम हुई। इंडिया ब्रैंड इक्विटी फाउंडेशन के अनुसार वर्ष 2024-25 में भारत-आस्ट्रेलिया व्यापार 24.1 अरब अमेरिकी डॅलर के बराबर था जिसमें भारत का वाणिज्यक वस्तुओं का निर्यात 8.58 अरब डॉलर और आयात 15.52 अरब डॉलर के बराबर था।

सरकार ट्रेजरी बिलों के जरिये अंतिम तिमाही में जुटायेगी 3,84,000 करोड

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) के लिए 3,84,000 करोड़ रुपये के ट्रेजरी बिलों की नीलामी का कैलेंडर जारी किया है। ट्रेजरी बिल वह माध्यम है जिससे सरकार अल्पावधि ऋण जुटाती है। ये अंकित मूल्य से कम पर बेचे जाते हैं और मियाद पूरी होने पर टी-बिल खरीदने वाले को अंकित मूल्य के बराबर पैसा मिलता है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि ये ट्रेजरी बिल 91 दिन, 182 दिन और 364 दिन की मियादों के साथ अलग-अलग मूल्य के लिए जारी किये जायेंगे। पहली नीलामी 07 जनवरी 2026 को और उसके बाद 25 मार्च तक हर सातवें दिन होगी। कैलेंडर के मुताबिक, पहले पांच सप्ताह तीनों मियादों को मिलाकर कुल 29-29 हजार करोड़ रुपये के टी-बिल की नीलामी होगी। अगले छह सप्ताह कुल 34-34 हजार करोड़ रुपये के और 25 मार्च को 35 हजार करोड़ रुपये के टी-बिल की नीलामी होगी। नीलामी के बाद अगले कार्य-दिवस पर टी-बिल जारी किये

जायेंगे।मंत्रालय ने बताया कि रिजर्व बैंक इस कैलेंडर और टी-बिल की प्रस्तावित नीलामी की राशि में भविष्य में बदलाव भी कर सकता है जिसकी सूचना प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी जायेगी।

दूरसंचार सुरक्षा को लेकर डीओटी के सुधार ऐतिहासिक, आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी नई गति: ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा दूरसंचार सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लागू किए जा रहे सुधारों को परिवर्तनकारी बताते हुए कहा है कि ये कदम उद्योग की सतत वृद्धि, अनुपालन बोझ में कमी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' विजन को मजबूती देंगे। संचार मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि जैसे-जैसे डिजिटल नेटवर्क तेजी से हर नागरिक तक पहुंच रहे हैं, उनकी सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी दिशा में डीओटी के अंतर्गत राष्ट्रीय संचार सुरक्षा केंद्र (एनसीसीएस) द्वारा व्यापक सुधार लागू किए जा रहे हैं। सिंधिया ने बताया कि प्रमुख सुधारों में मूल उपकरण निर्माताओं

(ओईएम) के लिए प्रो-टेम सिक्योरिटी सर्टिफिकेशन स्कीम को दो वर्षों के लिए बढ़ाना और टेलीकॉम सिक्योरिटी टेस्टिंग लैबोरेटरीज (टीएसटीएल) के शुल्क में कमी शामिल है। उन्होंने कहा कि इन उपायों से दूरसंचार उपकरण निर्माताओं को बड़ी राहत मिलेगी और कारोबार करना आसान होगा। उन्होंने कहा कि डीएसएस–'डिज़ाइन इन इंडिया, सॉल्व इन इंडिया, स्केल फॉर द वर्ल्ड' सिद्धांत के अनुरूप इन सुधारों से दूरसंचार उपकरण निर्माताओं को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में बड़ी राहत मिलेगी। इसके तहत महिला-नेतृत्व वाली और एमएसएमई टेस्टिंग लैब्स के लिए अनुपालन बोझ में 90 प्रतिशत तक की कमी, जबकि अन्य टेस्टिंग लैब्स के लिए 50 प्रतिशत की कमी की गई है। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकार की टेस्टिंग एजेंसियों, आईआईटी और अन्य सरकारी संस्थानों के लिए शुल्क पूरी तरह माफ करने का प्रावधान किया गया है। मंत्री ने कहा कि सुरक्षा सत्यापन प्रक्रिया को सरल बनाते हुए मजबूत सुरक्षा मानकों को बनाए रखने से विनिर्माताओं को सशक्त किया जाएगा, नवाचार को गति मिलेगी और देशभर में ब्रॉडबैंड पहुंच का विस्तार होगा। साथ ही, इससे स्वदेशी दूरसंचार सुरक्षा परीक्षण अवसंरचना के विकास को बढ़ावा मिलेगा और भारत एक विश्वसनीय दूरसंचार विनिर्माण व परीक्षण केंद्र के रूप में और सुदृढ़ होगा।उन्होंने कहा कि ये परिवर्तनकारी कदम सुरक्षा, पैमाने और गति के साथ आत्मनिर्भर भारत के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाते हैं।

वर्जिन अटलांटिक बेंगलुरु-लंदन के बीच बढ़ायेगी उड़ानों की संख्या

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिटेन की विमान सेवा कंपनी वर्जिन अटलांटिक बेंगलुरु से लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे के लिए अतिरिक्त उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह अगले साल जनवरी, फरवरी और मार्च के लिए दोनों शहरों के बीच उड़ानों की संख्या सप्ताह में सात से बढ़ाकर 11 करेगी। कंपनी ने मार्च 2024 में बेंगलुरु से लंदन के लिए दैनिक उड़ान शुरू की थी। इसके अलावा दिल्ली से भी लंदन के लिए उसकी दैनिक उड़ानें पहले से उपलब्ध हैं। नयी उड़ान लंदन से सोमवार, मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को रवाना होगी। वापसी की

उड़ान एक दिन बाद सुबह बेंगलुरु से जायेगी। वर्जिन अटलांटिक बेंगलुरु-लंदन मार्ग पर बोइंग 787-9 का संचालन करती है। इसमें अपर श्रेणी में 31, प्रीमियम श्रेणी में 35 और इकोनॉमी श्रेणी में 192 सीटें हैं।

भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला फोन बना आईफोन 16

एजेंसी

नई दिल्ली। एप्पल की यह सफलता बदलते ग्राहक व्यवहार को दर्शाती है। पहले भारत में ज्यादातर लोग एंट्री-लेवल और मिड-रेंज फोन ही खरीदते थे, लेकिन अब महंगे स्मार्टफोन की मांग बढ़ रही है। अमेरिकी टेक दिग्गज एप्पल ने भारत में एक और बड़ी उपलब्धि

हासिल की है। आसान क्रेडिट, कैशबैक जैसे विभिन्न ऑफर्स की बदौलत आईफोन 16 अब भारत का सबसे अधिक बिकने वाला स्मार्टफोन बन गया है, जिसने चीन की वीवो के सबसे लोकप्रिय बजट मॉडल को भी पीछे छोड़ दिया है। काउंटरप्वाइंट रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, एप्पल ने 2025 के पहले 11 महीनों में आईफोन 16 के करीब 65 लाख यूनिट्स बेचे और इसके साथ ही यह भारत का सबसे ज्यादा बिकने वाला स्मार्टफोन बन गया। एप्पल ने इस अवधि में एंड्रॉएड फोन बनाने वाली कई बड़ी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया।

सनड्रेक्स ऑयल से निवेशक हुए निराश, लिस्टिंग के बाद शेयरों पर लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडस्ट्रियल और ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट्स बनाने वाली कंपनी सनड्रेक्स ऑयल कंपनी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को जोरदार नुकसान पहुंच दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 86 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के इमर्ज प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 68.80 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर लुढ़क कर 65.40 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 20.60 पैसे यानी 23.95 प्रतिशत का नुकसान हो गया।

सनड्रेक्स ऑयल कंपनी का 32.25 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.53 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन फुली सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.01 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.90 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 37,50,400 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, अपनी वर्किंग कैपिटल

की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 40 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.57 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 5.44 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की बात करें, 2025-26 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान कंपनी को 1.94 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की आय 41 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 69.12 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान कंपनी को 19.18 करोड़ रुपये की आय हो चुकी है। इस दौरान कंपनी पर कर्ज का बोझ भी बढ़ता गया। 2025-26 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के अंत में कंपनी पर 17.13 करोड़ रुपये का कर्ज था। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में ये 41 लाख रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में बढ़ कर 2.97 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में उछल कर 5.63 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। 2025-26 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 7.57 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया था।

ललित मोदी ने विजय माल्या के साथ वायरल वीडियो पर भारत सरकार से माफी मांगी

लंदन। भगोड़े ललित मोदी ने विजय माल्या के साथ अपना एक वीडियो शेयर करने पर भारत सरकार से माफी मांगी है। दरअसल, भगोड़े ललित मोदी ने 22 दिसंबर को वीडियो अपलोड किया था, जिसमें वो भगोड़े विजय माल्या के साथ नजर आया था। वीडियो में ललित ने खुद को और माल्या को भारत के दो सबसे बड़े भगोड़े कहा था। वीडियो वायरल होने के 9 दिन बाद अब ललित ने वीडियो पर माफी मांगी है। अब ललित मोदी ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा....मेरे बयान से यदि किसी की भावनाएं आहत हुई हों, खासकर भारत सरकार की, तो मैं इसके लिए माफी चाहता हूं। मेरे बयान का आशय वैसा नहीं था, जैसा उसे समझा गया। किसी भी गलतफहमी के लिए फिर से माफी मांगता हूं। विजय माल्या 2016 से ब्रिटेन में है और 2019 में उसे आधिकारिक तौर पर भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया था। ललित मोदी 2010 से ब्रिटेन में रह रहा है और उस पर टैक्स चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग और आईपीएल से जुड़े गंभीर आरोप हैं।

यूएस मीडिया का दावा, सीआईए ने वेनेजुएला में 'कथित ड्रग तस्करों के डॉक' को किया तबाह

वॉशिंगटन । अमेरिकी रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीआईए ने दिसंबर की शुरुआत में वेनेजुएला के तट पर एक डॉक फैसिलिटी पर ड्रोन हमला किया था। इसे दक्षिण अमेरिकी देश के भीतर ट्रंप प्रशासन की ओर से किया गया पहला जमीनी हमला बताया जा रहा है। यूएस मीडिया का दावा, सीआईए ने वेनेजुएला में 'कथित ड्रग तस्करों के डॉक' को किया तबाह सीएनएन ने सोमवार रात (लोकल टाइम) ऑपरेशन से जुड़े अनजान सूत्रों के हवाले से बताया कि यह हमला एक दूर के डॉक को टारगेट करके किया गया था; अमेरिकी अधिकारियों का मानना था कि इसका इस्तेमाल वेनेजुएला का एक गैंग ड्रग्स भंडारण और शिपमेंट के लिए नावों पर भेजने के लिए कर रहा था। सिन्हुआ ने सीएनएन के हवाले से दावा किया है कि इस हमले में कोई जनहानि नहीं हुई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ही दावा किया कि अमेरिका ने वेनेजुएला में एक डॉक (लोडिंग सुविधा) पर हमला किया, जो कथित रूप से ड्रग तस्करों द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा था। सिन्हुआ के अनुसार, अगर ये सच है तो तेल संपन्न दक्षिण अमेरिकी देश पर यह पहला ज्ञात भूमि हमला होगा। ट्रंप ने फ्लोरिडा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहाः 'डॉक पर एक जोरदार धमाका हुआ। इस क्षेत्र का इस्तेमाल वो लोग ड्रग तस्करी के लिए करते थे।

पूर्वी प्रशांत महासागर में मादक पदार्थ से भरे जहाज पर अमेरिकी हमले में दो लोगों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मादक पदार्थओं की तस्करी के संदेह में एक जहाज पर हमला किया, जिसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी अमेरिकी दक्षिणी कमान ने दी। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के निर्देश पर, अमेरिकी संयुक्त टास्क फोर्स सदर्न स्पीयर ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में नामित आतंकवादी संगठनों द्वारा संचालित जहाज पर घातक सैन्य हमला किया। ' अमेरिकी दक्षिणी कमान ने आगे कहा, 'खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई है कि यह जहाज पूर्वी प्रशांत महासागर में मादक पदार्थों की तस्करी के ज्ञात मार्गों से गुजर रहा था और मादक पदार्थों की तस्करी की गतिविधियों में शामिल था। दो पुरुष तस्कर मारे गए। अमेरिकी सेना का कोई भी जवान हताहत नहीं हुआ।' पेंटागन ने सितंबर की शुरुआत से अबतक कैरिबियन और पूर्वी प्रशांत महासागर में कथित रूप से मादक पदार्थों से भरे 30 जहाजों को डुबो दिया है, जिनमें सवार कम से कम 107 लोग मारे गए हैं। कई महीनों से, अमेरिका ने कैरिबियन में, खासकर वेनेजुएला के तट पर, अपनी महत्वपूर्ण सैन्य उपस्थिति बनाए हुआ है, जिसका कथित उद्देश्य मादक पदार्थों की तस्करी से लड़ना है। हालांकि अमेरिका के इस दावे को वेनेजुएला ने कराकस में सरकार परिवर्तन के एक छिपे हुए प्रयास के रूप में खारिज कर दिया है।

ताइवान सीमा पर चीनी सैन्य अभ्यास, भारी संख्या में चीनी विमान, नौसेनिक जहाज तैनात

ताइपे। ताइवान के आसपास के हवाई क्षेत्र और समुद्री क्षेत्र में मंगलवार सुबह तक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 130 विमान, 14 नौसैनिक जहाज और आठ 'सरकारी जहाज' देखे गये हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन विमानों में से 90 विमान ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्रों (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गये। इन गतिविधियों के मद्देनजर ताइवान के अधिकारियों ने एक आपातकालीन परिचालन केंद्र स्थापित किया है और वे 'हाई अलर्ट' पर हैं। यह ताज़ा गतिविधि चीन द्वारा शुरू किये गये बड़े पैमाने के संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच सामने आई है। 'जस्टिस मिशन 2025' कोड नाम वाले इस अभ्यास में सेना, नौसेना और वायु सेना शामिल हैं। चीन का कहना है कि यह अभ्यास 'ताइवान की स्वतंत्रता' चाहने वाली अलगाववादी ताकतों और विदेशी हस्तक्षेप के खिलाफ एक चेतावनी है। चीन के कोस्ट गार्ड ने दो अन्य क्षेत्रों पर अपना दावा किया है, जबकि ताइवानी इंटेलिजेंस के डिप्टी चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल ह्सिएह जिह-शेंग ने कहा कि चीन के पांच क्षेत्र ताइवान की 12-नॉटिकल मील (22 किमी) की क्षेत्रीय समुद्री सीमा के भीतर आते हैं। चीन जिन क्षेत्रों में अपने सैन्य अभ्यास कर रहा है, उनमें से एक ताइवान के दक्षिण-पश्चिम में समुद्री सीमा रेखा के बिल्कुल निकट एलुआनबी में स्थित है, जबकि एक अन्य अभ्यास क्षेत्र पेंगहू द्वीपों के एकदम पास में स्थित है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की नमाज-ए-जनाजा आज, तीन दिन का राजकीय शोक

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया की नमाज-ए-जनाजा कल होगी। उनका आज सुबह राजधानी के एवरकेयर अस्पताल में निधन हो गया। मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस ने दोपहर को राष्ट्र के नाम संबोधन में बेगम खालिदा जिया के निधन पर कल से तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की। उन्होंने उनके नमाज-ए-जनाजा के दिन कल आम छुट्टी की भी घोषणा की। बांग्लादेश के समाचार पोर्टल बीएसएस और द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने बांग्लादेश टेलीविजन और बांग्लादेश बेतार पर दोपहर 12 बजे एक साथ प्रसारित टेलीविजन संबोधन में कहा, ''पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के निधन पर मैं तीन दिन के राजकीय शोक और उनके नमाज-ए-जनाजा के दिन कल

एक दिन की सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा करता हूं।'' मुख्य सलाहकार ने जनाजा और शोक के दौरान सभी से अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने का आग्रह किया। प्रो. यूनुस ने कहा, ''मुझे पता है कि आप सभी इस समय बहुत दुखी हैं। मुझे उम्मीद है कि आप शोक के इस समय में धैर्य दिखाएंगे और उनके नमाज-ए-जनाजा सहित सभी औपचारिकताओं को पूरा करने में शामिल सभी संबंधित लोगों का सहयोग करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''सर्वशक्तिमान अल्लाह हमें धैर्य, शक्ति और एकजुट रहने की क्षमता दे।'' इससे पहले स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में सलाहकार परिषद की विशेष बैठक हुई। बैठक में बेगम खालिदा जिया की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। बैठक में कल से तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा करने और कल एक दिन की छुट्टी रखने का फैसला किया गया। राजकीय शोक के दौरान देश भर के सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी और स्वायत्त संस्थानों, शिक्षण संस्थानों, सभी सार्वजनिक और निजी इमारतों और विदेशों में बांग्लादेश मिशनों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। कल देश की हर मस्जिद में उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना और दुआएं की जाएंगी। अन्य धर्मों के पूजा स्थलों पर भी विशेष प्रार्थनाएं होंगी। बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर भी बैठक में शामिल हुए। उन्होंने परिवार और पार्टी की तरफ से अंतरिम सरकार का आभार जताया और खालिदा जिया को सुरक्षा समेत सभी जरूरी मदद देने के लिए मुख्य सलाहकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि बेगम की जनाजा की नमाज कल जोहर की नमाज़ के बाद संसद के साउथ प्लाजा में होगी। उन्हें दिवंगत राष्ट्रपति जिया-उर-रहमान की कब्र के बगल में दफनाया जाएगा।

नेपाल में संसदीय चुनावों के लिए 64 राजनीतिक दलों के कुल 3,424 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में अगले साल होने वाले संसदीय चुनावों के लिए केवल 64 राजनीतिक दलों ने समानुपातिक (पीआर) प्रणाली के तहत उम्मीदवारों की बंद सूची निर्वाचन आयोग में जमा कराई है। निर्धारित समयसीमा के भीतर 64 राजनीतिक दलों के कुल 3,424 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। निर्वाचन आयोग में पंजीकृत कुल 100 दलों में से सिर्फ 64 दलों ने ही सोमवार और मंगलवार को अपनी पीआर उम्मीदवार सूची निर्वाचन आयोग को सौंपी है। निर्वाचन आयोग के अनुसार 22 दलों ने समानुपातिक प्रणाली के तहत सभी सीटों के लिए उम्मीदवारों का पंजीकरण कराया है, जबकि शेष दलों ने न्यूनतम 10 से

लेकर अधिकतम 101 उम्मीदवारों तक की बंद सूची प्रस्तुत की है। आयोग के अनुसार कुछ दल एकल चुनाव चिह्न के तहत चुनाव लड़ेंगे। इस बार 64 दल कुल 58 चुनाव चिह्नों के माध्यम से चुनाव में भाग ले रहे हैं।इनमें से 54 दल अपने-अपने अलग चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेंगे, जबकि 10 दल चार चुनाव चिह्नों के तहत चुनावी प्रतिस्पर्धा में उतरेंगे।

ट्रंप मिले नेतन्याहू से, कहा- हमास ने हथियार नहीं छोड़े तो अंजाम होगा बुरा

एजेंसी

फ्लोरिडा (अमेरिका)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यहां इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के बाद कहा कि अगर हमास ने हथियार नहीं छोड़े तो अंजाम बहुत बुरा होगा। उन्होंने कहा, ''अगर हमास हथियार छोड़ देता है, तो गाजा शांति योजना का अगला चरण तेजी से आगे बढ़ सकता है।''

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार फ्लोरिडा के पाम बीच में अपने मार-ए-लागो एस्टेट में नेतन्याहू के साथ खड़े होकर ट्रंप ने यह भी दावा किया कि शांति समझौते का समर्थन करने वाले दर्जनों अन्य देश आतंकवादी समूह हमास को खत्म करने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने कहा, ''हमास को हथियार छोड़ने के लिए बहुत कम समय दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर हमास के कदमों पर निगरानी रखेंगे। हमास अगर हथियार छोड़ने के वादे से मुकरता है तो यह उसके लिए अच्छा नहीं होगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, ''हमारे साथ 59 देश हैं। वह हमास के गढ़ में घुसकर उसे खत्म करना चाहते हैं। उन्हें इसमें इजराइल की मदद की भी

जरूरत नहीं है। हम (ट्रंप-नेतन्याहू) अभी भी वेस्ट बैंक पर पूरी तरह से सहमत नहीं हैं।'' नेतन्याहू ने कहा कि राष्ट्रपति के साथ उनकी बैठक बहुत अच्छी रही।उन्होंने इसके लिए राष्ट्रपति का आभार जताया। उन्होंने घोषणा की कि ट्रंप इजराइल का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार दिया जाएगा। यह पुरस्कार अभी तक किसी गैर-इजराइली को नहीं दिया गया है। ट्रंप ने बैठक से पहले कहा कि अगर ईरान फिर से अपने बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम बनाना शुरू करता है तो वह ईरान पर इजराइली हमले का समर्थन करेंगे। राष्ट्रपति ने नेतन्याहू की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह युद्धकालीन प्रधानमंत्री हैं। वह हीरो हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग से नेतन्याहू को माफी देने के बारे में बात की है। प्रधानमंत्री पर रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोप हैं।विदेशमंत्री मार्को रूबियो और युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने ट्रंप की बैठक से पहले नेतन्याहू से मुलाकात की। नेतन्याहू का यह दौरा अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के कतर, मिस्र और तुर्किये के वरिष्ठ अधिकारियों से शांति योजना में अगले कदमों पर चर्चा करने के एक सप्ताह बाद हुआ है। इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम नवंबर में लागू हुआ था।

पीएम कार्की ने कोई भी राजनीतिक मांग शांतिपूर्ण तरीके से रखने को कहा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने मंगलवार को नेपाली राजनीतिक कार्यकर्ता और चिकित्सा उद्यमी दुर्गा प्रसाई से अपनी मांगें और शिकायतें शांतिपूर्ण माध्यमों से उठाने का आग्रह किया। बालुवाटार में हुई मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि देश अब और अस्थिरता तथा अशांति को बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोकतांत्रिक समाधान का रास्ता चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से जनता की स्वीकृति हासिल करने में ही निहित है।

कार्की ने कहा कि देश को अनेक कठिन परिस्थितियों से निकालकर शांति और व्यवस्था की ओर लाया गया है। चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार माहौल में हम सभी पक्षों से जिम्मेदार भूमिका निभाने की अपेक्षा करते हैं। प्रधानमंत्री ने शांति के प्रतीक के रूप में प्रसाई को भगवान गौतम बुद्ध का चित्र भी भेंट किया और सद्भाव बनाए रखने के महत्व को दोहराया।

उन्होंने कहा कि हम न्याय के पक्ष

में खड़े हैं। हम न तो सत्ता के लिए हैं और न ही व्यक्तिगत सुख-सुविधा के लिए। हमने भ्रष्टाचार को समाप्त करने और उत्पीड़ित व हाशिए पर पड़े वर्गों को न्याय दिलाने की प्रक्रियाएं शुरू की हैं। भले ही इसके परिणाम तुरंत दिखाई न दें, लेकिन नींव बहुत सोच-समझकर रखी जा रही है। सरकार आपकी ओर से उठाई गई कई वैध चिंताओं को संबोधित करने पर भी काम कर रही है और आगे भी इस विषय पर संवाद जारी रहेगा।

नेपाल में ज़ेन जी आंदोलन में गोली चलाने का आदेश देने से पूर्व गृहमंत्री ने किया खंडन

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक ने 8 और 9 सितंबर को जेन-जी आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं के संबंध में उच्चस्तरीय न्यायिक जांच आयोग के समक्ष कहा कि आंदोलन के नाम पर सुनियोजित ढंग से घुसपैठ कर तोड़फोड़ और हिंसा की गयी लेकिन प्रधानमंत्री सहित किसी भी मंत्री को फायरिंग या जनता का दमन करने का आदेश देने का कानूनी अधिकार नहीं है इसलिए उन्होंने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया था।

दोपहर 12:45 बजे से 2:45 बजे तक, लगभग दो घंटे तक, नेपाली उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व वाले आयोग के समक्ष उन्होंने बयान दर्ज कराया और छह पन्नों का लिखित विवरण भी सौंपा। बयान के बाद लेखक ने नेपाली कांग्रेस संसदीय दल के कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित किया। लेखक ने अपने बयान में

उन्होंने आंदोलन की पृष्ठभूमि, उस समय की सुरक्षा व्यवस्था, अपनी नैतिक जिम्मेदारी तथा आयोग से अपनी अपेक्षाओं को स्पष्ट किया। लेखक ने इस आरोप को सिरे से खारिज किया कि उन्होंने आंदोलन के दौरान सुरक्षा बलों को बल प्रयोग करने या गोलियां चलाने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि न तो तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और न ही स्वयं, गृहमंत्री के रूप में, ऐसे आदेश देने का कोई कानूनी अधिकार रखते थे।

उन्होंने कहा, 'किसी भी मंत्री को फायरिंग या दमन का आदेश देने का कानूनी अधिकार नहीं होता। 8 और 9 सितंबर को हुए जेन-जी आंदोलन के दौरान गोली चलाने के लिए न तो कोई लिखित और न ही मौखिक आदेश जारी किया गया था।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि मंत्रियों को इस तरह का निर्देश देने की कोई कानूनी व्यवस्था ही नहीं है।

लेखक ने बताया कि इन घटनाओं के बाद एक राजनीतिक नेता के रूप में नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि आंदोलन के दौरान नेताओं के आवासों, दफ्तरों और राज्य संरचनाओं पर हुए हमले योजनाबद्ध और प्रायोजित थे। उनके अनुसार, 9 सितंबर को जानबूझकर विशेष लक्ष्यों पर हमले किए गए, नेताओं के आवासों में आग लगाई गई और गंभीर आपराधिक गतिविधियां हुईं। इसके अलावा, लेखक ने आरोप लगाया कि जेन-जी आंदोलन में घुसपैठ की गई थी। आंदोलन के नाम पर जानबूझकर घुसपैठ कर तोड़फोड़ और हिंसक गतिविधियां अंजाम दी गईं। उन्होंने कहा कि 8 सितंबर को मैतीघर से न्यू बानेश्वर पहुंचने के बाद इस घुसपैठ की शुरुआत हुई। यहां तक कि जेन-जी आयोजकों द्वारा आंदोलन समाप्त करने की घोषणा के बाद भी योजनाबद्ध तरीके से तोड़फोड़ और हिंसा की गई।

रूस को विदेशी आपराधिक अदालतों के फैसले नजरअंदाज करने का अधिकार, पुतिन ने कानून में किसंशोधन

एजेंसी

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कानून में ऐसे संशोधनों को मंजूरी दे दी, जिनके तहत रूस को विदेशी और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक अदालतों के फैसलों को अनदेखा करने का अधिकार मिल गया है। यह कदम यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ चल रही अंतरराष्ट्रीय कानूनी पहलों की पृष्ठभूमि में उठाया गया है। नए प्रावधानों के अनुसार, रूस उन आपराधिक मामलों में विदेशी अदालतों के फैसलों को मानने के लिए बाध्य नहीं होगा, जिनमें रूस की कोई भागीदारी नहीं रही हो। इसके अलावा, ऐसे अंतरराष्ट्रीय न्यायिक संस्थानों के आदेशों को भी नजरअंदाज किया जा सकेगा, जिनकी वैधानिक शक्ति किसी अंतरराष्ट्रीय समझौते या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव पर आधारित नहीं है।

यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब यूक्रेन और यूरोपीय संस्थाएं रूस पर युद्ध अपराधों के आरोपों को लेकर कानूनी कार्रवाई तेज कर रही हैं। जून में यूक्रेन और यूरोप की मानवाधिकार संस्था के बीच एक विशेष न्यायाधिकरण के गठन को लेकर समझौता हुआ था। वहीं, इस महीने यूक्रेन को हुए नुकसान की भरपाई के लिए एक अंतरराष्ट्रीय दावों आयोग भी शुरू किया गया है। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) पहले ही राष्ट्रपति पुतिन सहित कई रूसी अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर चुका है। हालांकि, रूस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन नहीं कर रहा और बच्चों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का कदम मानवीय आधार पर उठाया गया था।

रूस का दावाः यूक्रेन ने ड्रोन से पुतिन के आवास पर किया हमला, यूक्रेन ने बताया झूठ आरोप

एजेंसी

मॉस्को/कीव। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दावा किया है कि यूक्रेन ने उत्तरी रूस के नोवगोरोद क्षेत्र में स्थित राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सरकारी आवास को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला करने की कोशिश की। रूसी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लावरोव ने कहा कि रात के समय लंबी दूरी के 91 ड्रोन इस कथित हमले में इस्तेमाल किए गए।

लावरोव ने चेतावनी दी कि इस तरह की 'लापरवाह हरकतें' बिना जवाब के नहीं छोड़ी जाएंगी और रूस ने यूक्रेन में जवाबी कार्रवाई के लिए लक्ष्य तय कर लिए हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इन आरोपों के बावजूद रूस युद्ध समाप्त करने के

लिए जारी बातचीत प्रक्रिया से पीछे नहीं हटेगा।

वहीं, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'झूठ और दुष्प्रचार' बताया है। जेलेंस्की ने कहा कि यह दावा रूस द्वारा कीव पर नए हमलों की जमीन तैयार करने के लिए किया जा रहा है, खासकर सरकारी इमारतों को निशाना बनाने के इरादे से। जेलेंस्की ने अपने नागरिकों को सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि रूस इस बहाने राजधानी कीव पर हमले को सही ठहराने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने अमेरिका से भी रूसी धमकियों को गंभीरता से लेने की अपील की।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि रूस का यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी हालिया सकारात्मक बैठक के तुरंत बाद आया है, जिसका मकसद शांति वार्ता में हुई प्रगति को कमजोर करना है। ट्रंप ने हाल ही में दावा किया था कि शांति समझौता 'लगभग पूरा' हो चुका है।

ईरान को लेकर ट्रंप की सख्त चेतावनी, मिसाइल या परमाणु कार्यक्रम फिर शुरू हुआ तो कार्रवाई तय

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक बार फिर कड़ा रुख अपनाया है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान दोबारा अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को खड़ा करने की कोशिश करता है, तो अमेरिका उस पर फिर से सैन्य हमला कर सकता है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक से पहले मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, 'हमें खबर मिल रही है कि ईरान फिर से अपने कार्यक्रम को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। अगर ऐसा हुआ, तो हमें उसे दोबारा रोकना पड़ेगा। हम जोरदार कार्रवाई करेंगे। ' ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाता है, तो अमेरिका तुरंत हमले का समर्थन करेगा। उन्होंने ईरान को सलाह दी कि टकराव की बजाय अमेरिका के साथ समझौते का

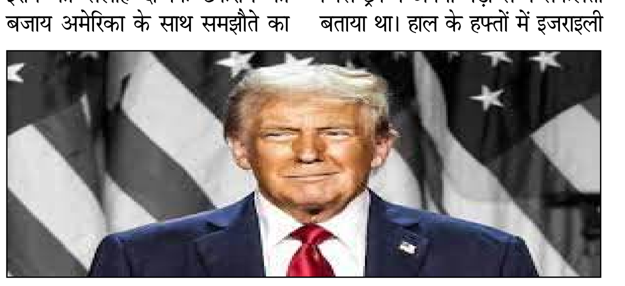

रास्ता अपनाना ज्यादा समझदारी होगी। राष्ट्रपति ने कहा, 'समझौता करना उनके लिए बेहतर होगा। पहले भी उनके पास मौका था, लेकिन तब उन्होंने ऐसा नहीं किया और फिर उन्हें बड़े हमले का सामना करना पड़ा। ' गौरतलब है कि इसी साल अमेरिका ने ईरान की तीन परमाणु सुविधाओं पर बमबारी की थी, जिसे ट्रंप ने अपनी बड़ी सैन्य सफलता बताया था। हाल के हफ्तों में इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने दावा किया कि ईरान एक बार फिर अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम का विस्तार कर रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि नेतन्याहू इस मुद्दे पर ट्रंप से और कड़े कदम उठाने की पैरवी कर सकते हैं।

अमेरिका ने यूक्रेन को 15 वर्षों के लिए 'मजबूत' सुरक्षा गारंटी देने का प्रस्ताव रखा : जेलेंस्की

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका ने यूक्रेन को 15 वर्षों के लिए 'मजबूत' सुरक्षा गारंटी देने का प्रस्ताव रखा है, जिसमें आगे बढ़ाने का विकल्प भी शामिल है। हालांकि, कीव इससे अधिक लंबी अवधि की गारंटी चाहता है। जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के बाद जोर दिया कि सुरक्षा गारंटी के तहत अंतरराष्ट्रीय सैनिकों की मौजूदगी जरूरी है, हालांकि रूस पहले ही इस प्रस्ताव को खारिज कर चुका है। जेलेंस्की के मुताबिक बिना ठोस सुरक्षा गारंटी के युद्ध को वास्तव में समाप्त नहीं माना जा सकता, क्योंकि भविष्य में फिर से आक्रामक कार्रवाई का खतरा बना रहेगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने ट्रंप से 30 से 50 वर्षों तक की सुरक्षा गारंटी पर विचार करने का आग्रह किया है। इस बीच रूस की ओर से हमले जारी हैं, जिससे शांति की संभावनाओं पर सवाल बने हुए हैं। फ्लोरिडा में हुई इस बैठक के बाद ट्रंप ने दावा किया था कि रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने को लेकर समझौता पहले से कहीं अधिक करीब है। जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध समाप्ति की योजना में अभी भी कुछ अहम मुद्दे अनसुलझे हैं, जिनमें क्षेत्रीय सवाल और रूस के कब्जे वाले जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र का भविष्य शामिल है।

ग्रेटर टोक्यो में सामने आया बर्ड फ्लू का पहला मामला, 2.40 लाख मुर्गियां की जाएंगी नष्ट

एजेंसी

टोक्यो । जापान के ग्रेटर टोक्यो इलाके में एवियन इन्फ्लूएंजा का पहला और पूरे देश में एवियन इन्फ्लूएंजा का 12वां मामला सामने आया है। कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को साइतामा प्रांत के एक पोल्ट्री फार्म में हाईली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा के फैलने की पुष्टि की है। कृषि, वानिकी और मत्स्य मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, प्रभावित फार्म साइतामा प्रीफेक्चर के रांजान टाउन में स्थित है, जो टोक्यो के उत्तर में पड़ता है। इस फार्म में करीब 2 लाख 40 हजार मुर्गियां पाली जा रही थीं। ग्रेटर टोक्यो क्षेत्र में टोक्यो के साथ-साथ साइतामा, चिबा और कनागावा प्रीफेक्चर शामिल होते हैं, इसलिए इस मामले को लेकर प्रशासन अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। साइतामा प्रांतीय सरकार ने बताया कि संक्रमण फैलने से रोकने के लिए फार्म की सभी मुर्गियों को मारकर नष्ट किया जाएगा। इसके बाद उन्हें जलाया और दफनाया जाएगा। इसके साथ ही फार्म के आसपास व्यापक स्तर पर सैनिटाइजेशन और डिसइंफेक्शन अभियान चलाया जाएगा। कृषि मंत्रालय ने कहा कि

वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। मंत्रालय की महामारी विज्ञान जांच टीम को भी प्रभावित फार्म में भेजा जा रहा है ताकि संक्रमण के स्रोत और फैलाव की सही जानकारी मिल सके। इसके अलावा, देशभर के सभी प्रीफेक्चर प्रशासन को सतर्क रहने, समय पर जांच, तुरंत रिपोर्टिंग और पोल्ट्री फार्मों में स्वच्छता के नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। जापान में बर्ड फ्लू का सीजन आमतौर पर शरद ऋतु से शुरू होकर अगले साल की वसंत ऋतु तक चलता है। इस सीजन में अब तक सामने आए 11 मामलों के कारण पहले ही 36.5 लाख से ज्यादा मुर्गियों को नष्ट किया जा चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, एवियन इन्फ्लुएंजा या बर्ड फ्लू जानवरों से इंसानों में फैल सकता है। यह मुख्य रूप से जंगली पक्षियों और घरेलू मुर्गियों को प्रभावित करती है और ए(एच5एन1) तथा ए(एच9एन2) जैसे वायरस के कारण होती है। हालांकि यह बीमारी इंसानों में आसानी से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलती।डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, इंसानों में बर्ड फ्लू के ज्यादातर मामले संक्रमित जीवित या मृत पक्षियों के सीधे या अप्रत्यक्ष संपर्क से जुड़े होते हैं। यह बीमारी पहली बार 1997 में हांगकांग में सामने आई थी। इसके बाद अफ्रीका, एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व के 16 देशों में मानव संक्रमण और मौतों के मामले दर्ज किए गए। 2006 में ए (एच5एन1) वायरस के कारण बर्ड फ्लू ने पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र में तेजी से फैलाव किया था। अफगानिस्तान, मिस्र, इराक, पाकिस्तान और सूडान जैसे देशों में बड़े पैमाने पर इसके प्रकोप दर्ज हुए थे। मानव शरीर में ए(एच5एन1) वायरस का ऊष्मायन काल आमतौर पर 2 से 5 दिन का होता है, लेकिन यह 17 दिन तक भी हो सकता है। इसके लक्षणों में बुखार, थकान, खांसी, गले में खराश और मांसपेशियों में दर्द शामिल हैं। गंभीर मामलों में निमोनिया के कारण मौत भी हो सकती है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, बर्ड फ्लू में मृत्यु दर सामान्य मौसमी फ्लू की तुलना में कहीं अधिक होती है।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/30/2025 11:44 PM Page 2

कृषि क्षेत्र में भारत की कामयाबी का नया मुकाम: साल 2025 का सफर

साल 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के एक दशक बाद, भारत का कृषि क्षेत्र साल 2025 तक पूरी तरह से बदल चुका है। कभी कम उत्पादकता, कीमतों में अनिश्चितता और आयात पर निर्भरता से ग्रस्त व्यवस्था, अब रिकॉर्ड उत्पादन, किसानों की सुनिश्चित आय, वैज्ञानिक नवाचार और दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता से भरपूर है। दरअसल 2025 को महत्वपूर्ण बनाने के पीछे कोई एक योजना या आंकड़ा नहीं है, बल्कि 11 वर्षों के सुधारों का एक सुसंगत और भविष्य के लिए तैयार कृषि ढांचे में एकीकरण है। बिखराव से केंद्रित दृष्टिकोण की ओर 2025 में शुरू की गई प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (पीएमडीडीकेवाई) ने लक्षित और नतीजों पर फोकस करने वाले कृषि सुधार की दिशा में एक अहम कदम उठाया। केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित और जुलाई में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित यह योजना, 100 कम प्रदर्शन वाले जिलों पर केंद्रित है और इसका मकसद 1.7 करोड़ किसानों को लाभ पहुंचाना है। इसके लिए प्रतिवर्ष 24,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है, ताकि कम उत्पादकता, जल संकट और ऋण की कमी जैसी मुश्किलों का समाधान किया जा सके। 11 मंत्रालयों की 36 कृषि योजनाओं को एकीकृत करके, पीएमडीडीकेवाई ने खंडित कार्यान्वयन को जिला-स्तरीय समन्वय में तब्दील कर दिया है। एडीपी से प्रेरित यह योजना सिंचाई, भंडारण, प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण और संस्थागत ऋण को प्राथमिकता देती है, जो मिशन-आधारित कृषि बदलाव और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का संकेत है।

दलहन- आत्मनिर्भरता की ओर एक रणनीतिक सफलता वर्ष 2025 में, भारत ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिए 11,440 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत की। इस मिशन का लक्ष्य 2030-31 तक 350 लाख टन दलहन उत्पादन और 310 लाख हेक्टेयर में दलहन की खेती करना है। पहली बार, तुअर, उड़द और मसूर उगाने वाले किसानों को बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण बीज वितरण के साथ चार वर्षों के लिए 100% न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) खरीद का आश्वासन दिया गया है। करीब 2 करोड़ किसानों को लाभ पहुँचाने वाला यह मिशन, मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करता है, आय को स्थिर करता है और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देता है, जो दलहन में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी सफलता है। 23 कृषि-उद्योग संबंध को मज़बूत बनाना- कपास मिशन केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित पांच वर्षीय कपास मिशन का मकसद, किसानों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी संबंधी मदद देकर उत्पादकता बढ़ाना है, खासकर अतिरिक्त लंबे रेशे वाली कपास की। गुणवत्तापूर्ण कपास की लगातार आपूर्ति करके, यह मिशन भारत के वस्त्र क्षेत्र को मजबूत करता है, जहां 80% क्षमता लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) द्वारा संचालित है। साथ ही यह कृषि को औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता का प्रमुख चालक बनाकर, खेतों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के 5एफ दृष्टिकोण को और मज़बूत करता है। 4 रिकॉर्ड उत्पादन- एक दशक के सुधारों का परिणाम इन नीतिगत फैसलों का असर साल 2025 में साफ तौर पर दिखाई दिया। कृषि मंत्रालय द्वारा नवंबर 2025 में जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने 2024-25 में 357.73 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन के साथ अब तक का सबसे उच्च स्तर हासिल किया।

यह 2015-16 की तुलना में 106 मिलियन टन से अधिक की वृद्धि दर्शाता है, जब उत्पादन 251.54 मिलियन टन था, जो पिछले दस वर्षों में दर्ज की गई सबसे बड़ी वृद्धि है। 2025 की पहली तिमाही में, भारत के कृषि क्षेत्र ने 3.7ल की वृद्धि दर्ज की, जिससे यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती कृषि अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हासिल की गई संरचनात्मक स्थिरता को दर्शाती है।

एमएसपी- नीतिगत वादे से आय संरक्षण तक इस बदलाव का एक ज़रुरी स्तंभ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मजबूत करना रहा है। 2014 से पहले, सीमित खरीद के कारण एमएसपी अक्सर प्रतीकात्मक ही रहता था। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, एमएसपी को एक वास्तविक आय संरक्षण व्यवस्था के रूप में संस्थागत रूप दिया गया है। 2025 में, सरकार ने 14 खरीफ फसलों और सभी अनिवार्य रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दी, जिसमें उत्पादन लागत के 1.5 गुना एमएसपी निर्धारित करने के सिद्धांत का सख्ती से पालन किया गया। दशक भर की तुलना से साफ होता है- धान की खरीद (2014-15 से 2024-25) 7,608 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई, जबकि इससे पिछले दशक में यह 4,590 लाख मीट्रिक टन थी। ? धान किसानों को एमएसपी भुगतान बढ़कर 14.16 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो 2014 से पहले भुगतान की गई राशि से तीन गुना से अधिक है। 14 खरीफ फसलों के लिए कुल एमएसपी भुगतान 16.35 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जबकि पहले यह 4.75 लाख करोड़ रुपए था। 8 वर्ष 2025 तक, एमएसपी महज़ एक घोषणा न रहकर, किसानों के लिए एक विश्वसनीय आर्थिक गारंटी बन गया। 2025 में, भारत जीनोम-संपादित चावल की किस्मों को विकसित और जारी करने वाला विश्व का पहला देश बन गया, जो कृषि विज्ञान में एक वैश्विक उपलब्धि है। डीआरआर धान 100 (कमला) और पूसा डीएसटी राइस 1, ये दो किस्में काफी अधिक उपज, शीघ्र परिपक्वता और लवणता तथा क्षारीयता के प्रति सहनशीलता प्रदान करती हैं। अनुशंसित क्षेत्र में खेती से 45 लाख टन अतिरिक्त धान का उत्पादन होने, उत्पादन लागत में कमी आने और जलवायु परिवर्तन के प्रति सशक्तिकरण होने की उम्मीद है।

सतत् विकास पर भी समान रूप से जोर दिया गया। महाराष्ट्र द्वारा मात्र 30 दिनों में 45,911 ऑफ-ग्रिड सौर कृषि पंपों की स्थापना, जिसे 2025 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता दी गई, भारत के हरित कृषि की ओर तेज़ी से बढ़ते कदम का प्रतीक है। 10 राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में कृषि सार्वजनिक निवेश इस रणनीतिक फोकस को दर्शाता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के लिए बजटीय आवंटन में भारी वृद्धि हुई है, जो 2013-14 में 21,933.50 करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 1,27,290.16 करोड़ रुपए हो गया है और यह प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में किसानों को दी गई प्राथमिकता को दर्शाता है। 11 निष्कर्ष- साल 2025 - भारतीय किसानों के लिए आत्मविश्वास का वर्ष वर्ष 2025 प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कृषि सुधारों के एक दशक की सफलता का प्रतीक है। इसने दिखाया कि कैसे सुसंगत नीति, सुनिश्चित मूल्य, वैज्ञानिक नवाचार और एकीकृत शासन कृषि क्षेत्र को विश्वास से भर सकते हैं। रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और मजबूत एमएसपी से लेकर पीएमडीडीकेवाई और दलहन में आत्मनिर्भरता जैसी परिवर्तनकारी पहलों की मदद से, वर्ष 2025 में भारतीय कृषि की पुरानी परिभाषा अब बिल्कुल बदल चुकी है। अब यह स्थिरता, आत्मनिर्भरता और आकांक्षा से परिभाषित होती है, जो प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के दृष्टिकोण के साथ मज़बूती से जुड़ी हुई है।

सतत् विकास पर भी समान रूप से जोर दिया गया। महाराष्ट्र द्वारा मात्र 30 दिनों में 45,911 ऑफ-ग्रिड सौर कृषि पंपों की स्थापना, जिसे 2025 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता दी गई, भारत के हरित कृषि की ओर तेज़ी से बढ़ते कदम का प्रतीक है। 10 राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में कृषि सार्वजनिक निवेश इस रणनीतिक फोकस को दर्शाता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के लिए बजटीय आवंटन में भारी वृद्धि हुई है

आत्मनिर्भरता की ओर एक रणनीतिक सफलता वर्ष 2025 में, भारत ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिए 11,440 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत की। इस मिशन का लक्ष्य 2030-31 तक 350 लाख टन दलहन उत्पादन और 310 लाख हेक्टेयर में दलहन की खेती करना है। पहली बार, तुअर, उड़द और मसूर उगाने वाले किसानों को बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण बीज वितरण के साथ चार वर्षों के लिए 100% न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) खरीद का आश्वासन दिया गया है। करीब 2 करोड़ किसानों को लाभ पहुँचाने वाला यह मिशन, मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करता है, आय को स्थिर करता है और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देता है, जो दलहन में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी सफलता है।

लेफ्टिनेंट गवर्नर ने J&K बैंक कैलेंडर - 2026 का अनावरण किया

जम्मू, 30 दिसंबर। लेफ्टिनेंट गवर्नर श्री मनोज सिन्हा ने मंगलवार को लोक भवन में J&K बैंक के साल 2026 के वॉल और टेबल कैलेंडर का अनावरण किया।

2026 के वॉल कैलेंडर की थीम "J&K और लद्दाख की नदियाँफ है, जबकि टेबल कैलेंडर में इस क्षेत्र के ऐतिहासिक स्थान दिखाए गए हैं, जो जम्मू और कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों की मानव विरासत और प्राकृतिक अजूबों की विविधता को दर्शाते हैं।

लेफ्टिनेंट गवर्नर ने J&K बैंक की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी अनोखी थीम चुनी हैं जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों और परंपराओं को संरक्षित करने के बारे में जागरूकता बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि इन अनमोल खजानों की रक्षा के लिए समाज को एक साथ आना चाहिए। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने पृथ्वी के महत्वपूर्ण इकोसिस्टम की रक्षा पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि J&K केंद्र शासित प्रदेश में नदियाँ ताज़े पानी का स्रोत हैं और वे खाद्य सुरक्षा भी सुनिश्चित कर रही हैं और जैव विविधता संरक्षण में भी मदद कर रही हैं। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने भविष्य में जलवायु प्रभावों के खिलाफ लचीलापन बनाने के लिए नदियों और जल निकायों की रक्षा के लिए सामुदायिक प्रयासों का आह्वान किया।

जम्मू और कश्मीर बैंक लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और CEO श्री अमिताभ चटर्जी ने बताया कि J&K बैंक के कैलेंडर का 2026 संस्करण उन नदियों का सम्मान करता है जो पूरे क्षेत्रों में जीवन को बनाए रखती हैं और उन ऐतिहासिक स्थलों का जो उनकी साझा विरासत को परिभाषित करते हैं।

कैलेंडर में मिशन युवा और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जैसी महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी पहलों के साथ-साथ J&K बैंक के प्रमुख उत्पाद जैसे हाउसिंग लोन, कार लोन, पर्सनल कंजम्पशन लोन और ऑनलाइन खाता खोलने की सुविधा भी शामिल है, जो बैंक की विकास भागीदार और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाले के रूप में भूमिका को मजबूत करता है।

इस अनावरण समारोह में वित्त विभाग के प्रधान सचिव श्री संतोष डी. वैद्य; लेफ्टिनेंट गवर्नर के प्रधान सचिव डॉ. मनदीप के. भंडारी; कार्यकारी निदेशक श्री सुधीर गुप्ता, श्री सुनीत कुमार और J&K बैंक के मुख्य महाप्रबंधक श्री इम्तियाज अहमद उपस्थित थे।

'प्राकृतिक खेती से धरती और परिवार दोनों का स्वास्थ्य होता है संरक्षित'

भोपाल, 30 दिसम्बर (हि.स.)। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल एक कृषि तकनीक नहीं, बल्कि जीवन जीने का भारतीय पद्धति है। इससे किसानों की लागत घटाने, आय बढ़ाने और उन्हें बाहरी निर्भरता से मुक्ति मिलती है। इसके उत्पादन से हमारे धरती का और परिवार का स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। उन्होंने किसानों से आह्ववान किया कि अपने खेती योग्य भूमि में से 10 प्रतिशत भूमि में प्राकृतिक खेती करें तथा स्वस्थ्य रहें।उप मुख्यमंत्री शुक्ल रीवा के हरिहरपुर में स्वयं प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को अपने खेतों में प्राकृतिक खेती का निरीक्षण किया। प्राकृतिक खेती से पालक, मेथी, धनिया, बथुआ, चौराई, शलजम गाजर आदि सब्जियों का उत्पादन किया जा रहा है। साथ ही प्राकृतिक बीजामृत से गेहूँ की फसल बोई गई है जिसमें गोबर की खाद का उपयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि यूरिया के विकल्प के तौर पर कल्चर का उपयोग गेंहू की फसल में उत्पादन के लिये किया जायेगा।

ऑनलाइन NDC सर्विस लॉन्च, वार्षिक कैलेंडर और ARI और ट्रेनिंग विभाग की प्रशासनिक सुधार हैंडबुक जारी की

जम्मू, 30 दिसंबर। पारदर्शिता, दक्षता और नागरिक-केंद्रित शासन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, प्रशासनिक सुधार, निरीक्षण और प्रशिक्षण विभाग (ARI और ट्रेनिंग) ने आज जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में सार्वजनिक सेवा वितरण को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से प्रमुख प्रशासनिक पहलों की शुरुआत के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जम्मू और कश्मीर के मुख्य सचिव, अटल डुल्लू ने की, और इसमें कई प्रशासनिक सचिवों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर, मुख्य सचिव ने औपचारिक रूप से शैक्षिक ऋणों से संबंधित नो डिमांड सर्टिफिकेट जारी करने के लिए ऑनलाइन सेवा शुरू की

नई शुरू की गई डिजिटल सेवा को संबंधित विभागों से नो डिमांड सर्टिफिकेट चाहने वाले सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रक्रिया को सरल और तेज करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मैनुअल प्रक्रियाओं को खत्म करके, इस पहल से देरी में काफी कमी आने, जवाबदेही बढ़ने और लाभार्थियों के लिए पहुंच में अधिक आसानी सुनिश्चित होने की उम्मीद है।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्य सचिव ने अनावश्यक और समय लेने वाली प्रक्रियाओं को खत्म करने के लिए और अधिक प्रशासनिक सुधार करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विभागों में डिजिटल प्लेटफॉर्म अपनाने से टर्नअराउंड समय में काफी कमी आएगी और नागरिकों को सेवा वितरण की समग्र गुणवत्ता में सुधार होगा।

कार्यक्रम के दौरान, मुख्य सचिव ने जम्मू और कश्मीर सरकार का वार्षिक कैलेंडर-2026 भी जारी किया, जिसमें आने वाले वर्ष के लिए महत्वपूर्ण आधिकारिक घटनाओं, समारोहों और मील के पत्थरों की रूपरेखा दी गई है। कैलेंडर में महत्वपूर्ण घटनाओं, परियोजनाओं और छुट्टियों को दिखाया गया है, जिन्हें संदर्भ में आसानी के लिए महीने के अनुसार प्रस्तुत किया गया है।

सुधार एजेंडे को और मजबूत करते हुए, इस अवसर पर प्रशासनिक सुधारों पर हैंडबुक भी जारी की गई। यह हैंडबुक एक व्यापक संदर्भ दस्तावेज़ के रूप में कार्य करती है जो सार्वजनिक प्रशासन में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा अपनाए गए सर्वोत्तम प्रथाओं, सुधार पहलों और प्रक्रियात्मक सुधारों पर प्रकाश डालती है।

ARI और ट्रेनिंग विभाग की आयुक्त सचिव, शबनम शाह कामिली द्वारा विस्तृत कार्यक्रम में, केंद्र शासित प्रदेश में शासन सुधारों और क्षमता निर्माण को आगे बढ़ाने में विभाग द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने शुरू की गई पहलों की उपयोगिता और प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया और विभाग को लगातार सफलता की ओर ले जाने में मुख्य सचिव के मार्गदर्शन और नेतृत्व की सराहना की।

उन्होंने आगे कहा कि आज शुरू की गई पहलें प्रशासन को आधुनिक बनाने, सुशासन को बढ़ावा देने और सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल तरीके से प्रदान करने के सरकार के चल रहे प्रयासों में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं।

DC कुलगाम ने गणतंत्र दिवस 2026 की तैयारियों का जायजा लिया

कुलगाम, 30 दिसंबर। डिप्टी कमिश्नर कुलगाम, अथर आमिर खान ने आज कुलगाम के नए कॉन्फ्रेंस हॉल मिनी सचिवालय में अधिकारियों की एक बैठक में गणतंत्र दिवस-2026 समारोहों को सुचारू रूप से आयोजित करने की तैयारियों का जायजा लिया।

कार्यक्रम स्थल पर किए जाने वाले विभिन्न इंतजामों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग, परिवहन, इमारतों की रोशनी, जलपान और प्रतिभागियों के लिए आवास शामिल हैं।

बैठक के दौरान, ष्ठष्ट ने सभी संबंधित विभागों को राष्ट्रीय कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए विस्तृत और अच्छी तरह से समन्वित व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

बैठक में बताया गया कि मुख्य समारोह DPL कुलगाम में आयोजित किया जाएगा, जहां मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा, जिसके बाद J&K पुलिस, CRPF, NCC, पुलिस बैंड, महिला दल, NCC और अन्य भाग लेने वाली इकाइयों के दस्तों की परेड होगी।

ष्ठष्ट ने सभी विभागों को समारोहों को सुचारू और गरिमापूर्ण तरीके से आयोजित करने के लिए सभी इंतजाम समय से पहले पूरे करने के सख्त निर्देश दिए।

मौजूदा ठंडे मौसम को देखते हुए, विभागों से कहा गया कि वे रिहर्सल के साथ-साथ कार्यक्रम के अंतिम दिन भी पर्याप्त हीटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

समन्वय पर जोर देते हुए, DC ने सभी संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों को विभागों के बीच घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया।

KPDCL को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और कार्यक्रम स्थल पर स्टैंडबाय ष्ठत्र सेट तैयार रखने का निर्देश दिया गया।